ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज़

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 12 Issue No. 19 Faridabad (NCR) Wednesday, 01-15 November 2023 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/21-23 Page : 8

दिवाली पर करें माँ लक्ष्मी की आराधना

दीपावली, भारत में मनाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह त्योहार, हर साल, केवल भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर के भारतीय समुदायों में विशेष आनंद और उत्सव के साथ मनाया जाता है। ÷दीपावली÷ शब्द का अर्थ होता है ÷दीपों की श्रृंखला÷. यह शब्द बना है ÷दीप÷ और ÷आवली÷ को जोड़ कर जिन्हें संस्कृत भाषा के शब्दों से लिया गया है। दीपावली को दिवाली या दीवाली भी कहा जाता है. यह त्योहार हर घर में खुशियों की सौगात लाता है और इस दिन हर घर में भगवान गणेश और लक्ष्मी की पूजा की जाती है। यूँ तो दीवाली एक पांच दिनों का त्यौहार है जहां हर एक दिन का एक अलग महत्व है लेकिन आमतौर पर 2 दिन सबसे खास होते हैं - छोटी दिवाली और दिवाली। आमतौर पर दिवाली का त्यौहार अक्टूबर के मध्य से नवंबर के मध्य में पड़ता है। दीपावली कार्तिक माह के पंद्रहवें दिन अमावस्या को मनाई जाती है। 2023 में दिवाली, रविवार, 12 नवंबर को है।

दिवाली का महत्त्व

दिवाली एक प्रमुख हिंदू त्योहार है जो रावण को हराने के बाद भगवान राम की अयोध्या वापसी का प्रतीक है। यह बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने घरों को दीपों और रंगोली से सजाते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और मिठाई एवं उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं। समृद्धि के लिए देवी लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है और विघ्नहर्ता भगवन गणेश की भी साथ ही पूजा अर्चना होती है। दीपावली सिर्फ रौशनी का नहीं बल्कि आपसी प्रेम का त्यौहार भी है. यह परिवारों को एक साथ लाती है, खुशियाँ फैलाती है।

हम दिवाली क्यों मनाते हैं?

दिवाली बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाई जाती है। इस दिन श्री राम 14 वर्ष के वनवास के बाद रावण को हराकर अयोध्या लौटे थे। अयोध्या के नागरिकों ने अपने घरों और पूरे शहर को दीपों से सजाया। तब से, दिवाली दीये जलाने और पटाखे फोड़ कर मनाई जाने लगी। दिवाली मनाने का एक और कारण यह है कि यह भारत के कई हिस्सों में नए साल की शुरुआत मानी जाती है। दिवाली उत्सव देवी लक्ष्मी की मुक्ति का भी प्रतीक है, जिन्हें राजा बलि ने कैद कर लिया था। भगवान विष्णु ने भेष बदलकर उन्हें राजा से बचाया, जिससे कई क्षेत्रों में दिवाली का हर्षोल्लास मनाया जाने लगा, क्योंकि यह लोगों के घरों में पूजनीय देवी लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक है। कई लोगों का मानना है कि वह आने वाले वर्ष में उन्हें धन और समृद्धि का आशीर्वाद देंगी।

प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण-अनुकूल दीपावली -दीपावली भारत में मनाए जाने वाले सबसे लोकप्रिय और शुभ त्योहारों में से एक है। इसे रोशनी के त्योहार के रूप में भी जाना जाता है, यह बुराई पर अच्छाई की, अज्ञान पर ज्ञान की और निराशा पर आशा की जीत का प्रतीक है। दिवाली हिंदू कैलेंडर में कार्तिक महीने की अमावस्या को मनाई जाती है, जो आमतौर पर अक्टूबर या नवंबर में आती है। दिवाली संस्कृत के शब्द दीपावली से बना है, जिसका अर्थ है ÷दीपकों की पंक्ति।÷ यह त्यौहार नए हिंदू वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक है। इस पर्व को घर के चारों ओर दीये और मोमबत्तियाँ जलाकर मनाया जाता है। यह अंधकार पर प्रकाश की विजय और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। दिवाली दुनिया भर के हिंदुओं के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह बुराई पर अच्छाई की, अज्ञान पर ज्ञान की और निराशा पर आशा की जीत का जश्न मनाने का समय है। दीपावली मानाने के पीछे कई कथन हैं. रावण को हराने के बाद भगवान राम के अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में दिवाली मनाई जाती है। श्री राम को 14 साल के लिए अयोध्या से वनवास दिया गया था और उनकी वापसी को बहुत खुशी और उत्सव के साथ मनाया गया था। अयोध्या के लोगों ने उनके वापस स्वागत के लिए दीये जलाए और अपने घरों को सजाया। दिवाली मनाने का एक अन्य कारण धन और समृद्धि की हिंदू देवी लक्ष्मी का सम्मान करना है। लोग धन और सौभाग्य का आशीर्वाद पाने के लिए दिवाली की रात लक्ष्मी पूजा करते हैं। दिवाली पूरे भारत में बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाई जाती है। लोग इस त्योहार की तैयारी हफ्तों पहले से ही शुरू कर देते हैं। वे अपने घरों को साफ करते हैं, उन्हें रोशनी और रंगोलियों से सजाते हैं और नए कपड़े खरीदते हैं। दिवाली की रात, लोग अपने घरों और कार्यालयों के चारों ओर दीये और मोमबत्तियाँ जलाते हैं। वे धन और सौभाग्य का आशीर्वाद पाने के लिए लक्ष्मी पूजा भी करते हैं। पूजा के बाद, लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं। लोग स्वादिष्ट भोजन और मिठाइयाँ बनाते हैं और उन्हें अपने प्रियजनों के साथ बाँटते हैं। दिवाली परिवारों और दोस्तों के एक साथ आने और जश्न मनाने का समय है। लोग अपने घरों को साफ करते हैं और सजाते हैं, नए कपड़े खरीदते हैं और स्वादिष्ट भोजन तैयार करते हैं। दिवाली की रात, लोग दीये जलाने, लक्ष्मी पूजा करने और उपहारों का आदान-प्रदान करने के लिए इकट्ठा होते हैं। दिवाली परिवारों और दोस्तों के एक साथ आने और जश्न मनाने का समय है। यह सभी गिले-शिकवे भूल कर नई शुरुआत करने का समय है। दिवाली आनंद और खुशियाँ फैलाने का भी समय है। दिवाली के अवसर पर समृद्ध घर-परिवार के लोग दान देते हैं।

कृषि वैज्ञानिक बनकर संवारें भविष्य

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है। देश के आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि विज्ञान-आधारित, उच्च-प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इससे संबंधित रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। ये हैं - पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बी व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि। कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है।

कृषि विज्ञान एक व्यापक बहुविषयक क्षेत्र है, जिसमें प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान हिस्से हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में निम्नलिखित पर अनुसंधान एवं विकास कार्य किए जाते हैं- उत्पादन तकनीकें (जैसे कि, सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स) गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार (जैसे कि सूखा झेलने वाली फसलों तथा पशुओं का चयन, नए कीटनाशकों का विकास, खेती-संवेदन प्रौद्योगिकियां, फसल वृद्धि के सिमुलेशन मॉडल, इन-वाइट्रो सैल कल्चर तकनीकें) प्राथमिक उत्पादों का अंतिम-उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन (जैसे कि डेरी उत्पादों का उत्पादन, संरक्षण और पैकेजिंग) विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार (जैसे कि मृदा निम्नीकरण, कचड़ा प्रबंधन, जैव-पुनः उपचार) सैद्धान्तिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाए यादा प्राकृतिक पारिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा यादा दीर्घकालिक होती हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के विशेषज्ञता के क्षेत्र के अनुरूप उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति में भिन्नता रहती है।

खाद्य विज्ञान - खाद्य वैज्ञानिक या प्रौद्योगिकीविद सामान्यतः खाद्य संसाधन उद्योग, विश्वविद्यालयों या संघीय सरकार में नियुक्त किए जाते हैं। वे स्वास्थ्यपरक, सुरक्षित

और सुविधाजनक खाद्य उत्पादों की उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने में मदद करते हैं।

पादप विज्ञान - पादप विज्ञान में कृषि विज्ञान, फसल विज्ञान, कीट-विज्ञान तथा पादप प्रजनन को शामिल किया गया है।

मृदा विज्ञान- इसके अंतर्गत काम करने वाले व्यक्ति पौधें या फसल विकास से जुड़ी मिट्टी के रासायनिक, भौतिकीय, जैविकीय तथा खनिजकीय संयोजन का अध्ययन करते हैं। वे उर्वरकों, जुताई के तरीकों और फसल चम को लेकर विभिन्न प्रकार की मिट्टी के प्रत्युत्तरों का अध्ययन करते हैं।

पशुविज्ञान- पशु वैज्ञानिकों का कार्य है मांस, कुक्कुट, अण्डों तथा दूध् के उत्पादन तथा प्रोसेसिंग के बेहतर और अधिक कारगर तरीकों का विकास करना। डेयरी वैज्ञानिक, पशु प्रजनक तथा अन्य संबद्ध वैज्ञानिक घरेलू फार्म पशुओं के आनुवंशिकी, पोषण, प्रजनन, विकास तथा उत्पादन से जुड़े अध्ययन करते हैं।

प्रशिक्षण, अन्य योग्यताएं -

कृषि वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण की अपेक्षाएं उनके विशेषज्ञता क्षेत्र तथा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति पर निर्भर करती है। अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए या मौलिक अनुसंधान में सहायता के लिए कृषि विज्ञानों में बैचलर डिग्री पर्याप्त होती है लेकिन मौलिक अनुसंधान के वास्ते मास्टर्स या डॉक्टरल डिग्री अपेक्षित होती है। कॉलेज शिक्षण और प्रशासनिक अनुसंधान पदों में प्रगति के लिए सामान्यतः कृषि विज्ञान में पी-एच.डी. डिग्री अपेक्षित होती है।

कृषि विज्ञान में बी.ई. करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए मौलिक पात्रता मानदंड भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित और वरीयतन जीव-विज्ञान विषयों के साथ 10+2 है। एक सुयोग्य कृषि इंजीनियर बनने के लिए किसी के भी पास कृषि इंजीनियरी में स्नातक डिग्री (बी.ई.बी.टेक) या कम से कम डिप्लोमा होना चाहिए। अनुसंधान के क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति कृषि अनुसंधान वैज्ञानिक (एआरएस) बन सकता है। इन पदों पर भर्ती संयुक्त प्रवेश परीक्षा के जरिए की जाती है। एआरएस नेट पी-एच.डी. उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को लेक्चरशिप तथा स्कॉलरशिप प्रदान करने हेतु आयोजित की जाती है।

दूसरा विकल्प कृषि विकास अधिकारी (एडीओ) बनने का है, जो पद खण्ड विकास अधिकारी के समकक्ष होता है। इन पदों पर भर्ती प्रवेश परीक्षा के आधार पर की जाती है।

तीसरे आपके पास निजी क्षेत्र के संगठनों में अनुसंधान वैज्ञानिक के पद पर आवेदन करने का विकल्प होता है। वहां पर आपकी सेवाएं निजी प्रयोगशालाओं में भी इस्तेमाल की जा सकती हैं। इस उद्देश्य के लिए अपेक्षित योग्यता डॉक्टरल स्तर की अर्थात पी-एच.डी. है।

बी.एससी. करने के उपरांत आप बैंकों, वित्त और बीमा कम्पनियों की नौकरियों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंक कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तरों के लिए फील्ड अधिकारियों, ग्रामीण विकास अधिकारियों तथा कृषि और परिवीक्षा अधिकारियों के पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी करते हैं। इनके अलावा फार्म प्रबंधन,भूमि मूल्यांकन, ग्रेडिंग, पैकेजिंग तथा लेबलिंग के क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध् हैं। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, दोनों में भी विपणन और बी, परिवहन, फार्म उपयोगिता, भण्डारण आदि के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध् कराया जाता है।

कृषि विज्ञान में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ः कृषि केंद्र, अलीगढ़-202002 (उ.प्र.)
- चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय (उ.प्र.)
- डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ कृषि इंजीनियरी संकाय, डाकघर कृषि नगर, अकोला-444104
- गुजरात कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, सरदार कृषि नगर-385506, जिला बनासकांठा (गुजरात)
- इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय कृषक नगर, रायपुर-492006 (छत्तीसगढ़)
- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय कृषि इंजीनियरी संकाय, कृषि नगर, अगरतला, जबलपुर-482004
- केरल कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, वेल्लानिकाड़ा, त्रिशूर-680654 (केरल)
- उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व-विद्यालय कृषि संकाय, भुवनेश्वर, खुर्दा-751003 (उड़ीसा)।

बिजली की निगरानी का कारोबार

जब बादल गरजने लगते हैं तो स्टीफन थर्न की नजरें तुरंत अपने कम्प्यूटर पर गड़ जाती हैं। यह इलैक्ट्रीकल इंजीनियर तुरंत जानना चाहते हैं कि कहीं आसमानी बिजली गिराने वाला तूफान तो आने वाला नहीं है। उनकी तकनीक ने उन्हें कभी निराश नहीं किया है। वह बहुराष्ट्रीय इलैक्ट्रॉनिक्स कम्पनी सीमन्स की 'द लाइटनिंग सर्विस' नामक जर्मन फर्म के प्रमुख हैं जो जर्मनी में प्रतिवर्ष औसतन 10 लाख बार आसमानी बिजली के कौंधने को दर्ज करती है। फर्म का जर्मन नाम 'ब्लित्जडेन्स्ट' है। जर्मन भाषा में 'ब्लित्ज' का अर्थ बिजली कौंधना होता है। जर्मनी भर में स्थापित 16 निगरानी केंद्र देश में बिजली कौंधने की सभी घटनाओं को दर्ज करने के लिए काफी हैं। अपनी सहयोगी कम्पनियों के साथ मिल कर सीमन्स यूरोप में ऐसे कुल 150 निगरानी केंद्र चला रही है। इन आंकड़ों की जरूरत इलैक्ट्रिसिटी कम्पनियों, हवाई अड्डों, बीमा कम्पनियों एवं सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजकों को पड़ती है जो इस सूचना के लिए फर्म को फीस देते हैं। आसमानी बिजली को दर्ज करना सरल है। इसकी हर कौंध के साथ इलैक्ट्रॉमैग्नेटिक तरंगें पैदा होकर तेज रफ्तार से सभी दिशाओं में फैल जाती हैं। आसमानी बिजली की निगरानी करने वाले केंद्र इन तरंगों को 600 किलोमीटर दूर से भी पहचान सकते हैं। स्टीफन के अनुसार इन्हें और भी दूरी से दर्ज किया जा सकता है। वह पुर्तगाल के आकाश में चमकने वाली बिजली की कौंध को जर्मनी के कार्लरुहे निगरानी केंद्र से दर्ज कर चुके हैं। जब आसमानी बिजली को कम से कम दो केंद्रों में दर्ज किया जाता है तो उनके समय तथा दूरी का आकलन करके स्थान का पता लग जाता है। जितने अधिक निगरानी केंद्र होंगे आसमानी बिजली के कौंधने के स्थान का पता उतनी ही सटीकता से लगाया जा सकता है। फिलहाल फर्म की सटीकता 200 से 700 मीटर तक है। बिजली कौंधने के स्थान में सबसे अधिक रुचि ओवरहैड पावर लाइन ऑप्रेटर्स को होती है। उनकी कोई तार टूटते ही वह जानना चाहते हैं कि इसकी वजह कहीं आसमानी बिजली का गिरना या पेड़ का गिरना तो नहीं है। यदि इलाके में बिजली गिरने की पुष्टि हो जाए तो तारों को जल्द से जल्द जोड़ा जा सकता है जबकि पेड़ गिरने की सूरत में उसे ठीक करने में अधिक समय लगता है। बीमा कम्पनियां बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के दावों की पड़ताल के लिए इस सूचना की मदद लेते हैं। अक्सर आसमान से गिरने वाली बिजली की वजह से सीधा नुक्सान नहीं होता है बल्कि इसकी वजह से वोल्टेज में होने वाली अत्यधिक वृद्धि के कारण होता है। इससे अढ़ाई किलोमीटर के दायरे में विद्युत उपकरणों में शॉर्ट-सर्किट हो सकता है।

जर्मनी में हर साल बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के 3 से 5 लाख दावे किए जाते हैं। दावों की राशि करीब 25 अरब रुपए होती है। बीमा कम्पनियां 'द लाइटनिंग सर्विस' से हासिल बिजली गिरने की घटनाओं के आंकड़ों की जांच करके तुरंत पता लगा लेती हैं कि दावा असली है या फर्जी।

वैसे फर्म केवल आसमानी बिजली की कौंध को दर्ज ही नहीं करती है, उसके आंकड़े चेतावनी जारी करने के काम भी आते हैं। कम्पनी के अनेक ग्राहक हैं जिन्हें समय रहते इलाके में बिजली चमकने या तूफान आने की पूर्व सूचना मिलती है और वे अपने बिजली के उपकरणों को बंद करके नुक्सान होने से बच जाते हैं।

महिलाएं विदेशों में जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी के लिए अपनाएं यह करियर

डॉक्टरों को दूसरा भगवान कहा जाता है क्योंकि मरीजों को स्वस्थ करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है लेकिन इस महत्वपूर्ण कार्य में नर्स की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता है। देखा जाए तो मरीजों की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी इनके ऊपर ही होती है। तभी तो इन्हें सभी प्यार से सिस्टर भी कहते हैं। भारतीय सिस्टर विदेश का भी रुख करने लगी हैं क्योंकि विदेशों में इन्हें जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी भी मिलने लगी है।

जॉब ऑप्शन

डी.पी.एम.आई. की प्रिंसीपल डॉक्टर अरुणा सिंह के मुताबिक आप 10वीं और 12वीं करने के बाद भी नर्सिंग के कोर्स में दाखिला ले सकती हैं। इस कोर्स की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद आपके लिए जॉब के कई रास्ते खुल जाते हैं। दरअसल, इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज जॉब की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक और हैल्थ डिपार्टमैंट, ओल्ड एज होम्स, मिलिट्री हैल्थ सर्विस, स्कूल्स, रेलवे, पब्लिक सैक्टर, मैडीकल डिपार्टमैंट आदि में कार्य कर सकते हैं।

विदेश में अवसर

यदि आप इस क्षेत्र से जुड़ी हैं तो आज यूरोपियन देशों, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका और खाड़ी देशों में जॉब की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। साथ ही इन देशों में आकर्षक सैलरी पैकेज के साथ ओवरटाइम भी मिलता है। यही वजह है कि भारतीय नर्स विदेश का रुख करने लगी हैं लेकिन यूरोप और अमरीका जाने के लिए सी.जी.एफ.एन.एस. (कमीशन ऑफ ग्रेजुएट ऑफ फॉरेन नर्सिंग स्कूल), टी.ओ.ई. एफ.एल. (टैस्ट ऑफ इंग्लिश एज ए फॉरेन लैंग्वेज), टी.डब्ल्यू.ई. (टैस्ट ऑफ रिटन इंग्लिश) और टी.एस.ई. (टैस्ट ऑफ स्पोकन इंगलिश) के एग्जाम के दौर से होकर जुड़ना पड़ सकता है।

सरकारी प्रयास

नर्सिंग एजुकेशन में व्यापक सुधार के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपए खर्च करने की योजना है। इसके लिए हैल्थ मिनिस्ट्री ने 230 जिलों की पहचान की है जहां ऑग्जिलियर नर्स मिडवाइव्स (ए.एन.एम.) और ग्रेजुएट नर्स मिडवाइव्स (जी.एन.एम.) इंस्टीच्यूट खोला जाएगा। इसके अलावा, चार रीजनल इंस्टीच्यूट में नर्सिंग की शिक्षा को और बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। सच तो यह है कि आज नर्स हैल्थ केयर सिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पारिश्रमिक

नर्स की सैलरी उनकी योग्यता और अनुभव पर भी निर्भर करती है। सरकारी अस्पतालों में सैलरी 8 हजार से 15 हजार रुपए के करीब हो सकती है। लेकिन प्राइवेट और मिलिट्री नर्सिंग में कार्य करने वालों की सैलरी ज्यादा होती है।

रंगों की दुनिया में उभरते रोजगार

रंगों की दुनिया चमक-दमक से भरी होती है। इस बहुरंगी दुनिया में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। दुकान, मकान, घर और कल-कारखानों से लेकर हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए विभिन्न प्रकार के रंगों का इस्तेमाल होता है। रंगों के क्षेत्र में पेंट इंजीनियरिंग एक आकर्षक और बेहद फायदेमंद कॅरियर है। मोटर वाहन उद्योग, विद्युत, रसायन और हल्के इंजीनियरिंग उद्योगों में भी रंगों का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। इस प्रकार पेंट के उपयोग के क्षेत्रों में विस्तार होने के साथ-साथ पेंट तकनीकी का भी काफी विकास हुआ है। जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़े हैं। साथ ही हाल के वर्षों में पेंट की खपत भी बढ़ी है।

पेंट निर्माण के क्षेत्र में न केवल देशी कंपनियों में बढ़ोत्तरी हुई है बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ कच्चा माल तैयार करने वाले उद्योगों में भी रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। लेकिन दूसरी इंजीनियरिंग शाखाओं की अपेक्षा पेंट इंजीनियरिंग की विस्तृत जानकारी के प्रचार-प्रसार का अभाव है। यह क्षेत्र उन युवाओं के लिए अत्यधिक उपयोगी है जो इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर निराश हो जाते हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए निम्न संस्थानों से संपर्क कर सकते हैं-

- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव- 425 001।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।
- जगन्नाथ रथी वोकेशनल गाइडेंस एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फरर्गसन कालेज कैम्पस के सामने बीएमसीसी, पुणे।
- इंडस्ट्रीयल रिसर्च लैबोरेटरी, कैनाल साउथ रोड, कोलकाता।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नाथलाल पारीख मार्ग, माटुंगा, मुंबई।
- रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर, झारखंड।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

पुलिस टीम ने शिक्षक और विद्यार्थियों को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

Faridabad/Alive News

छात्रों को नशा से होने वाली हानि के बारे जागरुक किया गया छात्रों को डायल-112 की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी गई। मिली जानकारी के मुताबिक सेक्टर 46 तथा 21डी प्रभारी की टीम ने मेवला महाराजपुर तथा एसजीएम नगर प्राइवेट स्कूल में छात्रों को साइबर सुरक्षा व नशे के दुष्प्रभावों के बारे में व नशे से होने वाली हानि के संबंध में जागरुक किया पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छात्रों को साइबर सुरक्षा के महत्व को समझाते हुए अपना एटीएम कार्ड नंबर बैंक अकाउंट क्रेडिट कार्ड जैसी गोपनीय जानकारी को किसी के साथ साझा नहीं करने के बारे में जानकारी प्रदान की। नशा मुक्त हरियाणा के तहत चल रहे अभियान के तहत पुलिस चौकी टीम ने नशा से होने वाले दुषप्रभाव, नशा से होने वाली हानि के बारे जागरुक किया गया छात्रों को डायल-112 की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने युवाओं को नशे के चंगुल से बचने के लिए जागरूकता अभियान चलाया है। इसके साथ ही छात्रों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई और जागरूकता अभियान का समापन किया गया जिसपर सभी छात्रों ने पुलिस टीम द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान के लिए उनका तहे दिल से धन्यवाद किया।

पैंशनर्स के लिए नवंबर माह में जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाना अनिवार्य: संजय छौंकर

Faridabad/Alive News

जिला खज़ाना अधिकारी संजय छौंकर ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार से सेवानिवृत सभी पैंशनर्स जो खजाना कार्यालय, फरीदाबाद व उप-खजाना कार्यालय, बल्लभगढ़ से अपनी पैंशन प्राप्त कर रहे हैं। उन पैंशनरों को नवंबर माह में जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाना अनिवार्य होगा। खजाना अधिकारी संजय सिंह छौकर ने बताया कि सभी पैंशनर अपने नाम के पहले अक्षर के अनुसार निधारित तिथि को खजाना कार्यालय में आकर अपने जीवन प्रमाण पत्र जमा करा सकते है। उन्होने बताया कि पैंशनर अपने साथ पी0पी0ओ0 बुक, आधार कार्ड, मोबाईल फोन साथ ले कर आएं। उन्होने बताया कि ÷ए÷ से ÷जी÷ तक के अक्षर से शुरु होने वाले नाम के पैंशनर 2 से 9 नवंबर को अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करवा सकते है। इसी प्रकार से ÷एच÷ से ÷पी÷ तक अक्षर वाले 10 से 16 तक, ÷क्यू÷ से ÷एस÷ तक अक्षर के पैंशनर 17 से 22 तक तथा ÷टी÷ से ÷जेड÷ अक्षर तक के नाम वाले पैंशनर 23 से 25 तक अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करवा सकते है। पेंशनर स्मार्ट फोन का उपयोग कर फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के माध्यम से भी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र दे सकते है।

राजकीय महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

Faridabad/Alive News

पंडित जे.एल.एन. गवर्नमेंट कॉलेज, फरीदाबाद के प्लेसमेंट सेल द्वारा "Road Map for Purposeful Employbility" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में समर्थ फाउंडेशन के विषय विशेषज्ञ राजीव बनर्जी ने छात्र छात्राओं के साथ Purposeful Employbility के बारे में विस्तार से चर्चा की 7 ये विषय छात्रों के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में

प्लेसमेंट प्राप्त करने के लिए बहुत उपयोगी हैं। इस अवसर पर कॉलेज की कार्यकारी प्राचार्या डॉ. सबीना सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और प्लेसमेंट में भाग लेने क लिए प्रेरित किया । इस सेमिनार में डॉ. कमला चौधरी, डॉ. प्रोमिला काजल, प्लेसमेंट सेल के संयोजक ललित कुमार और प्लेसमेंट सेल के सदस्य, श्री सुरेंद्र सिंह तथा श्री अशोक अहलावत मौजूद रहे ।

विधायक ने सामुदायिक भवन का किया निरीक्षण

Faridabad/Alive News

विधायक नीरज शर्मा ने एनआईटी विधानसभा के सैक्टर-56 में लगभग 6 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे समुदायिक भवन का निरक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए है कि मौके पर विकास कार्य का बोर्ड तुरंत लगाया जाए ताकि प्रदार्शिता आए। अधिकारियों ने मौके पर बताया कि समुदायिक भवन को दो मंजिला बनाया जाएगा और इसमें बैडमिंटन कोर्ट एंव चैस कोर्ट बनाया जाएगा। इस मौके पर विधायक नीरज शर्मा के साथ हरियाणा शहरी प्रधिकरण विभाग के कार्यकारी अभियंता एंव अन्य अधिकारी मौजूद रहे। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि दनांक 06

फरवरी 2020 को मुख्यमंत्री, मुख्य प्रशासक हरियाणा शहरी प्रधिकरण विभाग, प्रधान सचिव, नगर एंव ग्राम आयोजन विभाग, प्रशासक हरियाणा शहरी प्रधिकरण विभाग फरीदाबाद को पत्र लिखकर अवगत करवाया गया था कि मेरी विधानसभा में सिर्फ 2 सैक्टर 55-56 आते है जिसमें सिर्फ सैक्टर-55 में सामुदायिक केन्द्र बना हुआ है जोकि कई वर्ष पुराना है व जर्जर है। इसलिए लोगों की मांग अनुसार एंव जनहित को देखते हुए सैक्टर 56 में समुदायिक भवन का निर्माण करवाया जांए। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि मौके पर गरिमा मितल को मौका दिखाया था उसके उपरांत समुदायिक भवन का एस्टीमेंट बनाकर सरकार को भेज दिया गया था और उसके उपरांत मुख्य प्रशासक हरियाणा शहरी प्रधिकरण विभाग ने लगभग 6 करोड़ रूपए की 12 अगस्त 2022 को जारी कर दी गई है।

इसके साथ-साथ विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि 30 मार्च 2023 को प्रशासक हरियाणा शहरी अधिकरण विभाग फरीदाबाद गरिमा मित्तल को सेक्टर 56 का दौरा कराया था और सेक्टर 56 की टूटी सड़कों एवं पार्कों की बदतर स्थिति से अवगत कराया एवं सेक्टर 56 सीआईए दफ्तर के साथ जो पानी का तालाब बना पड़ा है उसको दिखाया। जिसपर अधिकारियों ने बताया कि उपरोक्त कार्यो की फाईल अप्रूवल में है।

राईट टू सर्विस कमीशन के चीफ कमिशनर टी. सी. गुप्ता ने फरीदाबाद में ली बैठक

Faridabad/Alive News

हरियाणा के राईट टू सर्विस कमीशन के चीफ कमिशनर टी सी गुप्ता ने आज कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व व कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार व राज्य सेवा अधिकार आयोग का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस तक सरकारी सेवाओं तथा योजनाओं का पूर्ण लाभ समयबद्ध अवधि में पहुंचाना है। सरकारी सेवाओं का लाभ मिलने में लोगों को कोई परेशानी न हो और विभागीय कार्य सुगम व पारदर्शी तरीके से हो। इसी उद्देश्य के साथ वर्ष 2014 में इस आयोग की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं की प्राप्ति में लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। निर्धारित समय सीमा में लोगों को इन सेवाओं का लाभ नही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार के विभिन्न विभागों की 656 सेवाएं राईट टू सर्विस एक्ट में नोटिफाइड हैं जिसमें हर सेवा प्रदान करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। सरकारी विभागों के अधिकारियों को उस समय अवधि में ही वे सेवाएं आम जनता को देनी हैं। इस दौरान सभी अधिकारी यह ध्यान रखें कि आवेदनों का रिजेक्शन रेट कम हो और पब्लिक सटिसफैक्शन रेट में सुधार हो।

टीसी गुप्ता आज फरीदाबाद में जिला अधिकारियों के अलावा एमिनेंट सिटीजन, एनजीओ, निगम पार्षद, रैजीडेंट वैलफेयर एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों की बैठक में बोल रहे थे। यह बैठक फरीदाबाद के सैक्टर-12 स्थित कन्वेंशन में आयोजित की गई थी। इस बैठक में गुप्ता ने बताया कि एक्ट में नोटिफाइड 655 सर्विसिज हैं जो लोगों की आम जिंदगी से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन सेवाओं के बारे में जानकारी वैबसाईट https://haryana-rtsc.gov.in पर उपलब्ध है। सेवाओं के साथ स्कीम की जानकारी भी इस वेबसाईट पर दी गई है। उन्होंने कहा कि नोटिफाइड सेवाओं में और सेवाएं जोड़ने या आयोग के साथ अपने सुझाव अथवा शिकायत सांझा करने के लिए rtsc-hry@gov.in पर ई-मेल कर सकते हैं।

टी सी गुप्ता ने बताया कि कमीशन का ध्येय है कि जब तक समस्या का समाधान ना हो तब तक फ़ाइल क्लोज नही करनी। उन्होंने बताया कि किसी शिकायत में कोई अधिकारी काम नही करता है तो आस(ऑटो अपील सिस्टम) पोर्टल को यह कानून अधिकार दिया गया है कि वह शिकायतकर्ता की ओर से अपने स्तर पर अपील उठा सकता है। उन्होंने अंत्योदय सरल पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों के संदर्भ में रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए कहा कि पोर्टल पर 44 लाख 15 हजार 756 आवेदनों में से 43 लाख 81 हजार 484 का निपटान किया जा चुका है। वहीं आस पोर्टल पर 36 एंटिटी की 404 सर्विसेज है। पोर्टल पर 10 लाख 3 हजार 608 अपील में से 9 लाख 30 हजार 472 का निस्तारण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि आरटीएस पोर्टल पर फरीदाबाद 16 वे स्थान पर है। फरीदाबाद जिला में एक लाख 97 हजार 181 सेवा आवेदनों में से एक लाख 90 हजार 425 का तय समय सीमा में निपटान किया गया है। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद जिला में आरटीएस में 67 हज़ार 543 अपील 30 अक्टूबर तक हुई और इनमें से 66 हज़ार 411 का निपटारा कर दिया गया है जो कि 98 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि मात्र 2 प्रतिशत अपील पेंडिंग हैं लेकिन फिर भी हम चाहते हैं कि यह जीरो हो।

उन्होंने कहा कि सेवा का अधिकार आयोग का गठन ही आम लोगों की सुविधा व समस्याओं के समाधान के लिए किया गया है। कुछ सेवाओं में प्रथम अपीलीय अधिकारी डीसी तथा एडीसी और एसडीएम होते हैं, जिन्हें स्वयं भी जुर्माना लगाने की शक्ति प्राप्त है। इस प्रकार से मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का निवारण ही प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से लोगों को सेवाओं का लाभ प्रदान करें। आवेदनों को ठोस कारण के बिना रद्द किये जाने पर भी कड़ा संज्ञान लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेवाएं प्रदान करने में देरी करने वाले अधिकारी या कर्मचारी पर 20 हजार रूपए तक जुर्माना करने की शक्तियां प्राप्त हैं, जो उसे अपने वेतन से भरना होगा। यही नहीं, पीड़ित आवेदक को भी आयोग 5 हजार रुपये तक का मुआवजा देरी के लिए दे सकता है। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद लोगों की सूचीबद्ध सेवाओं से सम्बंधित शिकायतें सुनी और फीडबैक भी लिया।

वार्ड-5 पर्वतीया कॉलोनी में सीवरेज सिस्टम ठीक करने में निगम इंजीनियर और सरकार फेल!

Faridabad/Alive News

त्यौहारों का सीजन है और वार्ड-5 पर्वतीया कॉलोनी की सड़क और गालियों में सीवर का गन्दा पानी बह रहा है, जिसकी वजह से यहां के लोगों का त्योहार पिछले दस सालों से खराब हो रहा है। इतना ही नहीं लोगों का अपने घर से निकलना भी दूभर हो गया है।

स्थानीय निवासी ईश्वर नैन का कहना है कि क्षेत्र की समस्या को लेकर उन्होंनें मुख्यमंत्री से लेकर स्थानीय विधायक तक से गुहार लगा चूकें हैं, परन्तु समस्या दस सालों से ज्यो की त्यों बनी हुई है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अधिकारियो पर सरकार की लगाम नही है, जिसकी वजह से कामचोर और हराम खोर अधिकारियो की वजह से हम लोग तो दस साल से सीवर के पानी में डूबे हुए हैं लेकिन अब भाजपा सरकार के सांसद और विधायक के डूबने की बारी है। उनका कहना था कि क्षेत्र में सीवर के गंदे पानी से बच्चों में संक्रमण का खतरा बढ़ा हुआ है।

स्थानीय निवासी सीमा का कहना है कि पिछले तीन साल से घर के बाहर और आसपास खाली प्लाटों में कूड़े-कचड़े के ढ़ेर लगे है, क्योंकि नियमित समय पर कूड़ा नही उठ रहा है।

स्थानीय निवासी रणवीर सिंह का कहना है कि सीवरेज की समस्या को लेकर कई बार मुख्यमंत्री को भी ट्वीट किया है और कई बार मदद की गुहार भी लगा चुके हैं। वही कई बार इस परेशानी की जानकारी पीएम दरबार तक भी दी जा चुकी है परन्तु कोई सुनवाई नहीं हो रही है। सड़को पर गन्दा पानी जमा होने की वजह से बच्चों को स्कूल आने-जाने में भी काफी परेशानी हो रही है। जलभराव वाली सड़क पर सीवर के ढक्कन टूटे होने से लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं, परन्तु, इस सरकार में ऊपर से नीचे तक कोई सुनवाई नहीं है।

लौहपुरुष की जयंती पर सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

Faridabad/Alive News

लौह पुरुष, 'भारत रत्न' सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रुप में बनाते हुए सेक्टर 12 खेल परिसर से रन फॉर यूनिटी के तहत दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस, छात्रों व युवाओं सहित आमजन ने भाग लिया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपायुक्त विक्रम सिंह, डीसीपी सेंट्रल पूजा वशिष्ठ, एडीसी आनंद शर्मा, डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर राजेंद्र गुलिया, एसीपी सेन्ट्रल राजीव कुमार, एसीपी ट्रैफिक विनोद कुमार सहित जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस मैराथन दौड़ की थीम रोड सेफ्टी रही जिसके तहत युवाओं को सड़क सुरक्षा का महत्व बताने तथा सड़क पर यात्रा करते समय यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया।

5 किलोमीटर की यह दौड़ सुबह सेक्टर-12 के खेल परिसर से शुरू होकर एलडीगो मॉल, धर्मा ढाबा होते हुए वापस खेल परिसर पर आकर खत्म हुई। इस दौड़ में पुलिस व जिला प्रशासन के आह्वान पर बच्चों महिलाओं, युवाओं सहित आमजन ने मैराथन में भागीदारी सुनिश्चित करके लोहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से प्रेरणा ली। फरीदाबाद के सभी जोन में रन फॉर यूनिटी के प्रोग्राम के तहत दौड़ का आयोजन किया गया है। फरीदाबाद पुलिस ने लोगो में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर उनके पद चिन्हों पर चलने का प्रण लेते हुए लोगो में एकता में रहने का संदेश दिया है।

सिही गांव के संत सूरदास पार्क एवं संत सूरदास मन्दिर का किया निरीक्षण

Faridabad/Alive News

उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज मंगलवार को प्रातः साढ़े 9 बजे सेक्टर-8 स्थित सिही गांव के संत सूरदास पार्क एवं संत सूरदास मन्दिर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, एसडीएम त्रिलोक चंद, नगर निगम फरीदाबाद से एसई ओमबीर सिंह व राजस्व रिकार्ड के साथ नायब तहसीलदार बल्लबगढ़ दिनेश कुमार, सिही ग्राम उत्थान समिति के सदस्य भी मौके पर मौजूद रहे।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने राजस्व रिकार्ड का अवलोकन करने पर पाया कि संत सूरदास पार्क का रकबा 29500 वर्गमीटर है जिसका मालिकाना हक कम्पलैक्स फरीदाबाद के नाम है। ग्राम उत्थान समिति के सदस्यों ने मौके पर उपायुक्त को संत सूरदास पार्क एवं संत सूरदास मन्दिर से संबंधित समस्याओं से अवगत कराया जिसमें प्रमुख रूप से पार्क में पैदल पथ के जगह-जगह से टूटे होने के बारे में बताया गया जिसके कारण पार्क में आने वाले स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने संज्ञान लेते हुए मौके पर उपस्थित एसई नगर निगम ओमबीर सिंह को पार्क के टूटे पैदल पथ की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पार्क में अन्य जरूरी सभी अधूरे कार्यो को पूरा करवाने के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी विक्रम सिंह ने पाया कि संत सूरदास मन्दिर की छत खस्ता हालात में है जिसकी मरम्मत की जानी है। इस बारे उपायुक्त ने एसडीएम त्रिलोक चंद को मन्दिर समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ इस समस्या के समाधान के लिए एक बैठक करने के निर्देश दिए। तथा इस विषय में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके उपायुक्त कार्यालय में भिजवाने को कहा। उपायुक्त विक्रम सिंह ने मन्दिर के साथ लगते सरकारी प्राईमरी स्कूल का भी निरीक्षण किया और पाया कि स्कूल का भवन का कार्य अभी अधूरा है। इसपर उपायुक्त महोदय ने एसई ओमबीर सिंह को लम्बित कार्य को जल्द से जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए। तथा एसडीएम त्रिलोक चंद को स्कूल की मिड-डे मील की रसोई की मरम्मत कराने के भी निर्देश दिए।

श्रीराम स्कूल के मोटिवेशनल कार्यक्रम में पहुंचे हजारों अभिभावक

Faridabad/Alive News

रविवार को श्रीराम मॉडल स्कूल की ओर से "Parenting session-Say No to Drugs" कार्यक्रम का आयोजन एनआईटी स्थित दौलत राम धर्मशाला में किया गया। इस कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। स्कूल के प्रिंसिपल विक्रम सिंह राठौर ने सत्र में पहुंचे मुख्य अतिथि और मोटिवेशनल स्पीकर ए.डी. भट्ट और श्रीराम सोसाइटी ऑफ एजुकेशन की डायरेक्टर डॉ. अमृता ज्योति का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। सत्र में वक्ता डॉ. बीके मोहित गुप्ता द्वारा कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के अभिभावकों को विद्यार्थियों की जिम्मेदारी को लेकर प्रेरित किया गया। दूसरे सत्र में दोपहर 3=30 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यक्रम के वक्ता ए.डी.भट्ट और श्रीराम सोसाइटी ऑफ एजुकेशन की डायरेक्टर डॉ. अमृता ज्योति ने अभिभावक और विद्यार्थियों को आध्यात्मिक शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। करीब साढ़े तीन घंटे तक चले दूसरे स्तर में अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, स्कूल स्टाफ और ब्रह्माकुमारी टीम के साथ-साथ सैंकड़ों अभिभावकों ने हिस्सा लिया।

'रन फॉर यूनिटी' मैराथन का शुभारंभ

Faridabad/Alive News

केंद्रीय भारी उद्योग एवं ऊर्जा राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने राष्ट्रीय एकता दिवस व प्रथम गृह मंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश आजाद होने के बाद 500 से ज्यादा रियासतों में देश को बांटने का काम अंग्रेजों ने किया था। पूरा दुनिया मानती थी कि भारत को आजादी तो मिली लेकिन भारत बिखर जाएगा, लेकिन देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने एक के बाद रियासत को देश के साथ जोड़ने का काम किया। उनके कड़े फैसलें लेने के कारण ही आज के भारत का निर्माण हो पाया है। इसलिए उन्हें ÷लौहपुरुष÷ भी कहा जाता है। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने आज मंगलवार को प्रातः 7 बजे राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष में सेक्टर-12 स्थित खेल परिसर में आयोजित ÷रन फॉर यूनिटी÷ मैराथन का शुभारंभ किया व उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 2014 में आज के दिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया गया था। भारत अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिए 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाता है, जिनका स्वतंत्रता के बाद कई रियासतों को भारत संघ में शामिल होने के लिए मनाने में योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। चूंकि देश भारत के एकीकरण के लिए पटेल के महत्वपूर्ण प्रयासों के लिए आभारी है, इसलिए यह दिन उस ÷राष्ट्रीय एकता÷ को श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जाता है।

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई जिसके शब्द हैं ÷मैं गंभीरता से प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए खुद को समर्पित करता हूं और अपने साथी देशवासियों के बीच इस संदेश को फैलाने के लिए भी कड़ी मेहनत करूँगा। मैं यह शपथ अपने देश के एकीकरण की भावना से लेता हूं जो सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता और कार्यों से संभव हो सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान देने का भी गंभीरता से संकल्प लेता हूं।÷केंद्रीय राज्यमंत्री ने उपस्थित युवा खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकें हैं, से अपील करते हुए कहा कि वे लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व यानी चुनाव के महत्त्व को समझें और अपना-अपना वोट बनवाकर एक जिम्मेदार नागरिक होने का फ़र्ज़ निभाएं।

दौड़ मे खेल प्रशिक्षण केंद्रो व शिक्षा विभाग के लगभग 3000 खिलाड़ियों द्वारा भाग लिया गया। दौड़ में पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रवीण कुमार को 3100 रूपये, दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले अवदेश चौहान को 2100 रूपये तथा तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले चुनमुन चौहान को 1100 रूपये प्राइज राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली योगिता पंचाल को 3100 रूपये, दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले कामिनी को 2100 रूपये तथा तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले मंदीप को 1100 रूपये प्राइज राशि देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर फरीदाबाद विधायक नरेंद्र गुप्ता, पृथला विधायक नयन पाल रावत, उपायुक्त विक्रम सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त आनंद शर्मा, डीसीपी पूजा वशिष्ठ, एसडीएम परमजीत चहल, खेल अधिकारी देवेंदर सिंह सहित खेल एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों सहित युवा खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

साल 2030 तक सड़कों पर होंगी दस गुना इलैक्ट्रिक कारें: वर्ल्ड एनेर्जी आउटलूक 2023

तिलक राज शर्मा
संपादक

यह रिपोर्ट इस बारे में भी बात करती है कि साल 2030 में ऊर्जा प्रणाली कैसी दिखेगी। इसमें तब तक सड़क पर बहुत अधिक इलेक्ट्रिक कारों का होना, सोलर पैनलों से पूरे अमेरिकी बिजली प्रणाली की तुलना में अधिक बिजली पैदा होना, और रिन्यूबल एनेर्जी का वैश्विक बिजली का लगभग 50त्न हिस्सा बनाना वगैरह शामिल हैं। साथ ही इसमें यह भी बताया गया है कि साल 2030 तक हीटिंग के लिए पारंपरिक जीवाश्म ईंधन बॉयलरों के मुक़ाबले इलैक्ट्रिक हीटिंग सिस्टम अधिक बिकेंगे।

तिलक राज शर्मा

ऊर्जा जगत में साल 2030 तक बहुत कुछ बदलने वाला है। और यह बदलाव होगा मौजूदा नीतियों के चलते। वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक की ताज़ा रिपोर्ट की मानें तो आने वाले कुछ सालों में सड़कों पर लगभग 10 गुना अधिक इलेक्ट्रिक कारें होंगी, और रिन्यूबल एनेर्जी सोरसेज़ दुनिया के ऊर्जा स्रोतों का लगभग आधा हिस्सा बनाएंगे। लेकिन इस सब के साथ वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5एष्ट तक सीमित करने के लिए मजबूत नीतियों की आवश्यकता भी होगी।

दरअसल अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (द्वश्व) ने वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक 2023 नामक एक रिपोर्ट जारी की है जो दर्शाती है कि सौर पैनल, पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक कार और हीट पंप जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ अधिक लोकप्रिय हो रही हैं। ये प्रौद्योगिकियां हमारे कारखानों, वाहनों, घरेलू उपकरणों और हीटिंग सिस्टम जैसी चीजों को बिजली देने के तरीकों को बदल रही हैं।

यह रिपोर्ट इस बारे में भी बात करती है कि साल 2030 में ऊर्जा प्रणाली कैसी दिखेगी। इसमें तब तक सड़क पर बहुत अधिक इलेक्ट्रिक कारों का होना, सोलर पैनलों से पूरे अमेरिकी बिजली प्रणाली की तुलना में अधिक बिजली पैदा होना, और रिन्यूबल एनेर्जी का वैश्विक बिजली का लगभग 50त्न हिस्सा बनाना वगैरह शामिल हैं। साथ ही इसमें यह भी बताया गया है कि साल 2030 तक हीटिंग के लिए पारंपरिक जीवाश्म ईंधन बॉयलरों के मुक़ाबले इलैक्ट्रिक हीटिंग सिस्टम अधिक बिकेंगे।

ये सभी परिवर्तन आज की नीतियों पर आधारित हैं। यदि देश ऊर्जा और जलवायु के बारे में अपने वादों पर कायम रहते हैं, तो हम क्लीन एनेर्जी में और भी तेजी से प्रगति देख सकते हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रण में रखने के लिए मजबूत उपायों की आवश्यकता है।

क्लीन एनेर्जी के बढ़ने और विश्व की अर्थव्यवस्था में बदलाव का फॉसिल फ्यूल पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। इस दशक में कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस की मांग चरम पर पहुंचने की उम्मीद है, जो इस तरह के परिदृश्य में पहले नहीं हुआ था। विश्व की ऊर्जा आपूर्ति में फॉसिल फ्यूल की हिस्सेदारी भी घटने की उम्मीद है, और ऊर्जा से संबंधित कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन 2025 में अपने उच्चतम बिंदु पर पहुंच जाएगा।

द्वश्व के कार्यकारी निदेशक, फ़तिह बिरोल का कहना है कि क्लीन एनेर्जी की ओर पूरी दुनिया बढ़ रही है और यह अपरिहार्य है। सरकारों, कंपनियों और निवेशकों को इस परिवर्तन का समर्थन करने की आवश्यकता है क्योंकि यह नई नौकरियां, स्वच्छ हवा और सुरक्षित जलवायु सहित कई लाभ लाता है।

लेकिन अगर हम फॉसिल फ्यूल का उपयोग कम नहीं करते हैं, तो हम वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाएंगे। इससे अधिक गंभीर जलवायु समस्याएं पैदा हो सकती हैं और हमारी ऊर्जा प्रणाली खतरे में पड़ सकती है। 1.5एष्ट लक्ष्य को पूरा करना अभी भी संभव है, लेकिन यह आसान नहीं होगा। निष्क्रियता के परिणामस्वरूप वैश्विक तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जो पेरिस समझौते की अनुमति से अधिक है।

विश्व ऊर्जा आउटलुक 2023 2030 तक दुनिया को पटरी पर लाने के लिए एक रणनीति का भी सुझाव देता है, जिसमें रिन्यूबल एनेर्जी बढ़ाना, ऊर्जा दक्षता में सुधार करना, मीथेन एमिशन को कम करना, विकासशील देशों में स्वच्छ ऊर्जा में अधिक निवेश करना और जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना शामिल है।

रिपोर्ट स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर देती है। यह मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और पिछले साल के वैश्विक ऊर्जा संकट के लंबे समय तक बने रहने वाले प्रभावों के साथ दुनिया में ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियों पर भी विचार करता है।

रिपोर्ट प्राकृतिक गैस बाज़ार पर भी नज़र डालती है, जो आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण अनिश्चित है। हालाँकि, तरलीकृत प्राकृतिक गैस परियोजनाओं में वृद्धि से उन चिंताओं में कमी आएगी और आपूर्ति अधिशेष पैदा हो सकता है। इससे अंतरराष्ट्रीय गैस बाजार में रूस की हिस्सेदारी प्रभावित हो सकती है।

चीन वैश्विक ऊर्जा रुझानों में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है, और रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर बदलाव के कारण इस दशक के मध्य में चीन की ऊर्जा मांग चरम पर होगी।

रिपोर्ट में इस दशक में सौर ऊर्जा में अधिक वृद्धि की संभावना के बारे में भी बात की गई है। इससे पता चलता है कि सौर ऊर्जा चीन और अन्य क्षेत्रों में कोयला आधारित बिजली उत्पादन को कम कर सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं अलाइव न्यूज के मुख्य संपादक है।)

संपादकीय

हमेशा याद रहेंगे बिशन बेदी

भारतीय स्पिन चौकड़ी के प्रमुख हिस्सा रहे बिशन सिंह बेदी लंबी बीमारी के बाद हमारे बीच नहीं रहे। वह करीब दो साल पहले पड़े दिल के दौरे और हाल में घुटने के ऑपरेशन के बाद क्रिकेट जगत से दूर हो गए थे।

बेदी जितनी अपनी स्पिन कला के लिए जाने जाते थे, उतने ही साफ बात कहने के लिए भी विख्यात थे। उन्होंने भारत के लिए 67 टेस्ट खेलकर 266 विकेट लिए थे। विकेट लेने के दौरान खास बात उनका बेहद किफायती होना था। टेस्ट कॅरियर में उनकी इकॉनमी रेट 2.14 हुआ करती थी। उनके खेलने के दिनों में वनडे क्रिकेट बहुत लोकप्रिय नहीं था पर उन्हें 10 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अनुभव हासिल था। वह वनडे मैचों में सात विकेट अपने नाम करने में सफल रहे।

वनडे में भारत को पहली जीत दिलाने वाली टीम का भी वह हिस्सा रहे। भारत ने यह जीत 1975 के विश्व कप में पूर्वी अफ्रीका के खिलाफ हासिल की थी। बेदी की चौकड़ी का 1960 के दशक में डंका बजता था। इसके तीन अन्य सदस्य ई. प्रसन्ना, भगवत चंद्रशेखर और वेंकट राघवन थे। इस चौकड़ी ने साथ में 98 टेस्ट खेले और 853 विकेट निकाले। इन स्पिनरों की खूबी घर की तरह ही विदेश में विकेट निकालना था।

बेदी के परफेक्शन का कोई जवाब नहीं था। वह बेजान विकेट पर भी सफलता पाने में सफल रहते थे। उन्हें आर्म बॉल का विशेषज्ञ माना जाता था। वह गति और फ्लाइट में बदलाव से प्रभाव छोड़ने में सफल हो ही जाते थे। बेदी साहब को उनकी साफगोई के लिए भी हमेशा याद रखा जाएगा। एक बार की घटना है कि उन्हें अजरुन अवार्ड के लिए बनी चयन समिति में शामिल किया गया। इसी साल राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड की भी शुरुआत हो रही थी। लेकिन उन्होंने खेलों के इस सबसे बड़े अवार्ड को राजीव गांधी के नाम पर रखने पर एतराज जता दिया।

उनका कहना था कि राजीव गांधी बहुत अच्छे पायलट हो सकते हैं और अच्छे राजनेता भी। पर उनका खेलों में कोई योगदान नहीं होने पर उनके नाम पर अवार्ड रखना सही नहीं है। इस कारण उन्हें चयन समिति से हटा दिया गया। इसी तरह जब फिरोजशाह कोटला स्टेडियम का नाम डीडीसीए के अध्यक्ष रहे अरुण जेटली के नाम पर रखा गया, तब भी उन्होंने एतराज जताया था। बेदी साहब को भारतीय टीम का मैनेजर भी बनने का मौका मिला था। पर वह अपने सख्त रुख की वजह से विवादों में आ गए थे। पर इन कारणों से उनकी लोकप्रियता में कमी कभी नहीं आई।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शापाङ्क में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

मंदिरों से करोड़ों की कमाई आम आदमी के काम नहीं आई

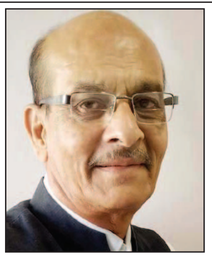

सनत जैन

भारत के मंदिरों में इन दिनों बड़ी कमाई हो रही है। दक्षिण भारत के तीन मंदिर जिम तिरुमला, वेंकटेश्वर मंदिर आंध्र प्रदेश सबसे ज्यादा कमाई करने वाला मंदिर है। उसके बाद सबरी माला अय्यप्पा मंदिर तिरुवनंतपुरम, महाकाल मंदिर उज्जैन, वैष्णो देवी और अन्य मंदिरों में हर साल करोड़ों, अरबों रुपए का चढ़ावा भक्तों द्वारा चढ़ाया जाता है। करोड़ों रुपए के सोने-चांदी के भंडार इन मंदिरों में हैं। हर साल बड़े पैमाने पर भक्त चढ़ावा चढ़ाते हैं। इस धन का उपयोग आम जनता के दुख-दर्द को दूर करने में होगा तो धर्म के प्रति लोगों की आस्था और भी बढ़ेगी, लेकिन भगवान के नाम पर आस्थाओं को कमाई का साधन बनाकर चंद लोग ही उस पैसे का उपयोग करते हैं। जबकि भगवान के चढ़ावे का सबसे ज्यादा उपयोग गरीबों और जरूरतमंदों के लिए होना चाहिए, जो नहीं हो रहा है। तिरुमला के वेंकटेश्वर मंदिर में हर साल अरबों रुपए का चढ़ावा चढ़ाया जाता है। यह चढ़ावा पिछले कई दशकों से मंदिर में आ रहा है। मंदिर ट्रस्ट को आम जनता के लिए इस धन का उपयोग जिस तरह से किया जाना था वह नहीं किया जा रहा है। करोड़ों रुपए बैंकों में जमा हैं और अरबों रुपए का सोना जमा है और भगवान वेंकटेश्वर के भक्त अपने दिन कठिनाइयों में गुजार रहे हैं। तिरुमला मंदिर ट्रस्ट वर्तमान में एक मेडिकल कॉलेज, तीन अस्पताल और पांच डिस्पेंसरी का संचालन कर रहा है। ट्रस्ट के द्वारा 12 कॉलेज और 13 स्कूलों का भी संचालन किया जा रहा है। तिरुपति मंदिर में जितना चढ़ावा हर साल आता है उसका 10 फीसदी भी ट्रस्ट द्वारा खर्च नहीं किया जाता है। यह पैसा बैंकों में और खजाने में जमा रहता है। पिछले कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश के उज्जैन महाकाल मंदिर की आय भी तेजी से बढ़ी है। इस मंदिर को 129 करोड़ रुपए का दान पिछले साल मिला है। हर साल करोड़ों रुपए का दान महाकाल मंदिर को मिलता रहा है। महाकाल मंदिर द्वारा 115 बच्चों का वैदिक शिक्षा का स्कूल चलाया जा रहा है। एक अस्पताल चल रहा है, जो भक्तों के सतही इलाज के काम आता है। लगभग 1000 श्रद्धालुओं के निःशुल्क भोजन की व्यवस्था भी ट्रस्ट द्वारा करने की बात कही जाती है। मात्र 150 गाय वाली गौशाला भी संचालित की जा रही है।

पिछले 10 वर्षों में जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार है तभी से धार्मिक पर्यटन को लेकर सभी हिंदू तीर्थ स्थलों का विकास किया जा रहा है। पिछले एक दशक में तीर्थ स्थलों की आय कई गुना बढ़ गई है। देसी और विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। भगवान के दर्शन के लिए शुल्क लगाए जा रहे हैं और तरह-तरह से पैसा वसूल किया जा रहा है। धार्मिक पर्यटन और धर्मस्थल अब कमाई का सबसे बड़ा स्थान बन गया है। धार्मिक स्थलों पर आस्था के नाम पर करोड़ों रुपए की कमाई हो रही है। यहां विभिन्न पदों पर बैठे हुए लोग इस धन का हर तरीके से दुरुपयोग करते हैं, जो भक्त अपनी आस्था और विश्वास को लेकर भगवान तक पहुंचाते हैं। उन्हें लगता है कि भगवान के दर्शन करने के बाद उनकी परेशानियां दूर होंगी। उनके परिवार में सुख-शांति आएगी। वह निरोगी होंगे, लेकिन आस्था के नाम पर करोड़ों, अरबों रुपए की कमाई तो धार्मिक स्थलों द्वारा की जा रही है जिन करोड़ों भक्तों से अरबों रुपए की कमाई हो रही है उन्हीं भक्तों की तरफ ध्यान इन धार्मिक स्थलों द्वारा नहीं दिया जा रहा है। इस कारण अब लोगों में कहीं ना कहीं यह बात चर्चा में आने लगी है कि सनातन धर्म में दान के अपने मायने हैं। जो धार्मिक ट्रस्ट हैं, उन्हें समाज व आमजन के लिए आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक बदलाव के लिए बढ़-चढ़कर काम करना चाहिए। भक्तों द्वारा चढ़ाए गए धन का सदुपयोग हो इस बात की चिंता यदि ट्रस्ट करने लगेंगे तो आम आदमी की आस्था और विश्वास धर्म के प्रति और बढ़ेगी। समाज नैतिक रूप से आगे बढ़ेगा। धार्मिक पर्यटन के नाम पर धार्मिक स्थलों का व्यवसायीकरण शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में उनकी आय का सदुपयोग सामाजिक कार्यों के लिए हो, इसके लिए व्यवस्था और नियम कानून बनाए जाने की जरूरत महसूस होने लगी है।

पाकिस्तान : सियासी चाल है शरीफ की वापसी

डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्र

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की चार वर्षो बाद आकस्मिक रूप से वापसी वहां की सेना के साथ सांठ-गांठ और राजनीतिक लाभ उठाने की सोची- समझी कूटनीतिक चाल है।

आर्थिक रूप से कंगाली, बदहाली और तंगी से गुजर रहे पाकिस्तान में नवाज शरीफ का अचानक आना साधारण बात नहीं है, बल्कि इसकी समीक्षा सभी दृष्टिकोण से किए जाने की सामयिक आवश्यकता है, भले ही उनकी वापसी को अधिक समावेशी राजनैतिक परिदृश्य की ओर संभावित बदलाव का धुंधला अथवा स्पष्ट पारदर्शी संकेत कहा जा सकता हो।

उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष नवाज शरीफ का आत्मनिर्वासन के बाद वापस वतन की ओर लौटना वास्तव में बड़ी सियासी चाल भी है, जो विगत लंबी अवधि से रची जा रही थी। चूंकि नवाज शरीफ को एवेन फील्ड और अल-अजीजिया मामलों में भ्रष्टाचार के लिए दोषी ठहराया गया था तथा तोशखाना वाहन मामले में अपराधी करार किया गया था, इसलिए नवाज अपने बिगड़ते स्वास्थ्य के बहाने से चिकित्सा के आधार पर लंदन गए थे। नवाज का आकस्मिक प्रकटीकरण पाकिस्तान की राजनीति की एक गहरी योजना का हिस्सा इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख इमरान खान इस समय कारावास में हैं।

हाल में पाकिस्तान की विशेष अदालत द्वारा राजनयिक केबल (सिफर) लीक करने और देश के गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने से जुड़े मामले में इमरान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी पर आरोप तय किए गए। पाकिस्तान की सत्ता को हथियाने के हालात पैदा करने के लिए शरीफ की षडयंत्रकारी और दूरदर्शी राजनीतिक लामबंदी का ही परिणाम कहा जा सकता है। दूसरी ओर 19 अक्टूबर, 2023 को एवेन फील्ड और अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय से 24 अक्टूबर तक सुरक्षात्मक जमानत मिल गई थी। एक पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को जमानत मिलना तथा दूसरे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर उसी दौरान आरोप तय होना आखिर क्या दशार्ता है? वास्तव में यह सियासी शतरंजी चाल ही है। नवाज शरीफ का पाकिस्तान में प्रकटीकरण सामान्य राजनीतिक स्थिति से नहीं देखा जा सकता क्योंकि उनकी वापसी के समय हवाई अड्डे पर सजायाफ्ता को वीवीआईपी प्रोटोकॉल दिया गया और इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर स्पेशल स्टेट रूम बनाया गया।

संभव है कि यह पाकिस्तान की सेना की सियासी चाल हो, या राजनीतिक बदलाव की बहार लाने की उसके द्वारा षंडयंत्रकारी कूटनीतिक पहल की जा रही हो। पाकिस्तान जिस ध्रुवीकरण के दौर से गुजर रहा है, और उसके कड़वे अतीत के मद्देनजर नवाज शरीफ के साथ अनेक विरोधी दलों का साथ आना बहुत दूर की बात कही जा सकती है। एक अनुमान यह भी है कि फौज अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का बड़ा विकल्प तलाश रही है, ताकि उसका वर्चस्व भी बना रहे और लोकतंत्र की आड़ भी बनी रहे।

लाहौर की रैली में उनके संबोधन की शैली भी उनके राजनीतिक दांव-पेच को स्पष्ट रूप से बयान करती है। जब उनका हेलीकॉप्टर लाहौर किले के पास दीवान-ए-खास में बनाए गए विशेष हेलीपैड पर उतरा तब नवाज को वाहनों के कारवां में मीनार-ए-पाकिस्तान ले जाया गया जहां उन्होंने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा-ह्यजो प्यार-मोहब्बत मैं आपकी आंखों में देख रहा हूं मुझे उस पर नाज है। मैंने हमेशा पाकिस्तान के मसले हल किए हैं। पाकिस्तान को एटमी ताकत बनाया, देश में बिजली सस्ती करवाई किन्तु मेरे खिलाफ जाली मामले बनाए गए, यही नहीं भाई शहबाज शरीफ और बेटी मरियम के खिलाफ भी साजिश रची गई। आपके प्यार ने मेरे सारे दुख-दर्द भुला दिए हैं, लेकिन कुछ घाव कभी नहीं भरते। मैंने अपने मां-पिता और पत्नी को ह्यराजनीति के कारणह्ल से खो दिया है ह्ल उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि उनकी ह्यबदला लेने की इच्छा नहीं है ह्ल वह सिर्फ जनता की भलाई चाहते हैं। उन्होंने पाकिस्तान को विकास के रास्ते पर ले जाने की कसम भी खाई। अपने विरोध में आए पनामा फैसले पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इससे पाकिस्तान के विकास में बाधा पड़ी।

वास्तव में शरीफ का भाषण उनकी राजनीतिक और कूटनीतिक चालों को उजागर करने का स्पष्ट संकेत देता है। सर्वविदित है कि पाकिस्तान में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सेना द्वारा ही शासन किया जाता है। सेना में जिस भी राजनीतिक नेता ने हस्तक्षेप करने का प्रयास किया उसको सत्ता छोड़कर जाना पड़ा है, चाहे नवाज शरीफ हों या इमरान खान। चूंकि अभी भी इमरान को जनता का भारी समर्थन प्राप्त है, इसलिए सत्ता में वापसी हेतु अंकुश लगाने के लिए ही पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को सत्ता में लाने और स्थापित करने का निर्णय लेकर उनके साथ एक समझौता किया है। यह पाकिस्तान की सेना और नवाज शरीफ को पुनः सत्ता में लाने के लिए चली गई शतरंजी चाल का ही जाल है।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

बल्लभ भाई पटेल के जन्मोत्सव पर सत्संग का आयोजन, विजय प्रताप ने की मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत

Faridabad/Alive News

पाली गांव झरना मंदिर के परिसर में भारत के निर्माता लोहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मोत्सव पर विशाल रक्तदान, हवन एवं सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बड़खल विधानसभा से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ चुके कांग्रेसी नेता विजय प्रताप सिंह उपस्थित हुए। वहीं परम श्रद्धेय योगिराज ओमप्रकाश महाराज विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद थे। ग्राम पाली के सरपंच रघुबीर सिंह एवं समस्त समिति ने कांग्रेस नेता विजय प्रताप का स्वागत किया। इस अवसर पर विजय प्रताप सिंह ने कहा कि लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्तूबर को मनाई जाती है। इस दिन को भारत में राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है। सरदार पटेल आजाद भारत के पहले उप प्रधानमंत्री थे। देश की आजादी में सरदार पटेल ने अभूतपूर्व योगदान दिया। बल्लभ भाई पटेल ने शराब, छुआछूत और नारियों पर अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी। हिन्दू-मुस्लिम एकता को बनाए रखने की पुरजोर कोशिश की। आजादी की लड़ाई के दौरान वह कई बार जेल भी गए लेकिन पटेल की दृढ़ता के सामने अंग्रेजी हुकूमत को झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि पटेल को देश का पहला उप प्रधानमंत्री बनाया गया। यह पद गृहमंत्री के समान था। उन्हें कई और जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सबसे बड़ी चुनौती देसी रियासतों का भारत में विलय था। छोटे बड़े राजाओं, नवाबों को भारत सरकार के अधीन करते हुए रजवाड़े खत्म करना कोई आसान काम नहीं था लेकिन बिना किसी जंग के सरदार पटेल ने 562 रियासतों का भारत संघ में विलय कराया। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद बहुत पुराना है। चीन के षड्यंत्रों को पहले से सरदार पटेल ने भांप लिया था। 1950 में उन्होंने नेहरू को खत लिख कर चीन से संभावित खतरे के बारे में चेतावनी दी थी। हालांकि नेहरू ने उस वक्त सरदार पटेल की चेतावनी पर ध्यान न दिया और परिणामस्वरूप 1962 की चीन की लड़ाई हुई। इस अवसर पर उन्होंने सभी अपने बुर्जुगों के सम्मान करने का आहवान किया। इस अवसर पर ओम भगवान, जगत ड्क्षसेह, नरेश , कवि भड़ाना, मलखान भड़ाना, सुनील भड़ाना, नरेश भड़ाना, अमित भड़ाना, लोकेश भड़ाना, सतू भड़ाना, बीतू , रूगन नम्बरदार सहित अनेक गण्मांय लोग उपस्थित थे।

दयालपुर गांव में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

Faridabad/Alive News

गांव दयालपुर में तारा नेत्रालय के सौजन्य से निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी बीजेपी नेता दीपक डागर ने अपने कर कमलों से रीबन काटकर किया। इस अवसर पर शिविर के मुख्य संयोजक व आयोजक गजेन्द्र बीसला ने व गांव के गणमान्य लोगों ने मुख्य अतिथि समाजसेवी दीपक डागर का पौधा भेंटकर व पगड़ी बांधकर अभिनंदन कर स्वागत किया। इस अवसर पर समाजसेवी बीजेपी नेता दीपक डागर ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है इससे बड़ी कोई सेवा नहीं है। शिविर की अध्यक्षता कर रहे सामाजिक संस्था जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के प्रधान सन्तसिहं हुड्डा ने कहा कि इस तरह के शिविर लगाने से आमजन को घर बैठे ही गांव में ही बहुत सुविधा मिल जाती है। शिविर में सभी मरीजों की निशुल्क जांच कर उन्हें निशुल्क दवाइयां व चश्मे वितरित किए गए।मानव सेवा से बढ़ा कोई धर्म नहीं होता। शिविर के मुख्य आयोजक गजेन्द्र बीसला ने बताया कि शिविर में 250 लोगों की जांच कर निशुल्क दवाइयां व चश्मे वितरित किए गए। जिनमें से 30 मरीज मोतियाबिंद के चिन्हित किए गए। जिन्हें तारा नेत्रालय फरीदाबाद अस्पताल में लेजाकर उनका मुफ्त आप्रेशन किया जाएगा।लाना लेजाना ओर खाना पीना एवं अस्पताल में रहना व आप्रेशन सब निशुल्क होगा। शिविर में मुख्य रूप से मुख्य अतिथि समाजसेवी दीपक डागर, सामाजिक संस्था जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के प्रधान सन्तसिहं हुड्डा, डीडी गोयल, संध्या,मास्टर मुनेशपाल सराव, राजेश गौतम,बिजेंद्र सिंह हुड्डा, रामगोपाल बीसला, सतीश बीसला, बाबू बीसला, रणजीत कर्दम, दिनेश शर्मा एवं तारा नेत्रालय अस्पताल की टीम व गांव के गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से मौजूद थे।

सराय राजकीय विद्यालय में चलाया एनीमिया मुक्त अभियान

Faridabad/Alive News

सराय ख्वाजा के राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ली जाने वाली नियमित टैबलेट्स खिलाई और घर ली जाने वाली टैबलेट्स भी प्रदान की। जूनियर रेड क्रॉस और सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि यह एनीमिया को दूर करने का एक प्रभावी तरीका है। चिकित्सकों के अनुसार भोजन में लौह तत्व कम लेने व किसी कारण भोजन में लोहे के अवशोषण में बाधा होने से एनीमिया होता है। इसके अतिरिक्त चोट, सर्जरी के दौरान खून की कमी और मलेरिया में हीमोग्लोबिन के टूटने से एनीमिया हो सकता है। स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के आदेशानुसार ये नीली और गुलाबी टैबलेट्स सामान्य बच्चों को प्रत्येक सप्ताह खिलाई जाती है। माइल्ड और मॉडरेट केसेज में पांच से नौ वर्ष के विद्यार्थियों को पिंक और दस से उन्नीस वर्ष के विद्यार्थियों को आई एफ ए की दो ब्लू टैबलेट्स दो मास तक प्रतिदिन दी जानी हैं। सीवर केसेज में स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार विद्यार्थियों को बी के चिकित्सालय के लिए रेफर किया जाना हैं। एनीमिया होने से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विस्तार रुक जाता है। इस कारण बच्चों को आयरन फोलिक एसिड टैबलेट्स खिलाई जानी आवश्यक हैं। इससे विभिन्न प्रकार के इन्फेक्शन के कारण होने वाली बीमारियों का उपचार भी हो जाता है। फोलिक एसिड सामान्यतः एक बी विटामिन है जिसकी हमारे शरीर की प्रत्येक कोशिका को सामान्य वृद्धि और विकास के लिए फोलिक एसिड की आवश्यकता पड़ती है । यह लाल रक्त कोशिकाएं बनाने में सहायता करता है जो आपके फेफड़ों से आपके शरीर के सभी अंगों में ऑक्सीजन ले जाती हैं। फोलिक एसिड सप्लीमेंट इस जैसी बीमारियों के लिए लिया जाता है। आपको फोलिक एसिड की कमी से एनीमिया हो सकता है यदि आप पर्याप्त मात्रा में फोलिक एसिड वाले खाद्य पदार्थ नहीं खाते हैं । इनमें हरी पत्तेदार सब्जियाँ, ताजे फल, मोटे अनाज और खमीर आदि सम्मिलित होते हैं। इसका सेवन टैबलेट के रूप में किया जाता है। विद्यालय की सभी छात्राओं और छात्रों को ये टैबलेट्स खिलाई गई। उन्होंने बताया कि अध्यापकों सुशीला बेनीवाल, प्रियंका गर्ग, ममता, अजय गर्ग, राजेश भाटी एवम सभी टीचर्स ने विद्यालय के सभी सामान्य छात्र छात्राओं को साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंट दिए और माइल्ड और मॉडरेट विद्यार्थियों को भी आई एफ ए प्रदान किए गए। विद्यालय प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने सभी स्टाफ सदस्यों का विशेष रूप से सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा एनीमिया मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए किए गए प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया।

सांगवान सर्वसम्मति से जाट समाज फरीदाबाद के चुने गए प्रधान

Faridabad/Alive News

जाट समाज फरीदाबाद की आम सभा की बैठक सेक्टर 16 स्थित किसान भवन में हुई । पूर्व निर्धारित एजेंडा के साथ हुई बैठक में जाट समाज के महासचिव एच एस मलिक विस्तार पूर्वक विस्तार जाट समाज द्वारा पिछले समय में कराए गए समाज कल्याण के लिए कार्यों और आगामी समय में किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया और सुझाव भी लिए गए। बैठक में पुरानी कार्यकारिणी को 5 साल के लिए दोबारा सर्व सम्मति से चुन लिया गया।

बैठक में उपस्थित सैकड़ो सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि जयपाल सिंह सांगवान ने समाज के लिए बहुत बड़ा योगदान और कार्य किए हैं उनसे बेहतर कोई दूसरा कर ही नहीं सकता और सभी ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष जयपाल सिंह सांगवान और उनकी कार्यकारिणी को चुनते हुए पूरा भरोसा जताया और कहा कि कार्यकारिणी ने पिछले सालों में बेहतर कार्य किया है और और किए गए कार्यों से सब सदस्य खुश हैं । जाट समाज के अध्यक्ष जेपीएस सांगवान ने कहा कि संगठन ने जो भरोसा उन पर जताया है वह उस पर पहले की तरह खरा उतरेंगे और समाज के सभी लोगों को साथ लेकर समाज के उत्थान व विकास के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर महासचिव एच.एस. मलिक ने जाट समाज की आय व्यय का ब्यौरा बैठक में सभी के समक्ष रखा। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जाट समाज के उत्थान व उन्नति में अपनी भागेदारी निभाने वालों को जाट समाज समय-समय पर सम्मानित कर उनका हौंसला बढ़ाएगा तथा आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान छात्रों व खिलाडियों की सहायता के लिए भी जाट समाज सदैव अग्रसर रहेगा। बैठक में समाज द्वारा भविष्य में किए जाने वाले संभावित कार्यों पर चर्चा कर रूप रेखा तैयार करना, जाट भवन सैक्टर-3 फरीदाबाद एवं किसान भवन सैक्टर-16 फरीदाबाद के प्रबंध एवं विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जाट समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणजीत सिंह दहिया, उपाध्यक्ष सबरजीत सिंह फौजदार , सलाहकार पूर्व आईपीएस अधिकारी महेंद्र सिंह श्योराण, राज सिंह राणा, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश रघुवंशी, नरेंद्र सिंह एडवोकेट चांद सिंह फोगाट सूरजमल , रविंद्र फौजदार ,रतन सिंह सिवाच ,मुनेश नरवाल कमल चौधरी , बिजेंद्र फौजदार, राम रतन नरवत,मुकेश तेवतिया सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं सभी सैकड़ो सदस्य गण मौजूद थे ।

धर्म संचार यात्रा दूसरे दिन पलवल पहुंची

Faridabad/Alive News

ज्योर्तिमठ ज्योतिषपीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती धर्म संचार यात्रा के दूसरे दिन पलवल प्रस्थान करते हुए श्री संकट मोचन हनुमान मंडल कैली धाम पहुंचे। उन्होंने बताया कि हरी का आना हरियाणा की सही परिभाषा होगी इसलिए प्रदेश में हरि के 24 अवतारों का मंदिर निर्माण करवाने तथा धर्म का संचार आगे बढ़ सके यही यात्रा का उद्देश्य है शंकराचार्य की यात्रा 26 अक्टूबर से 8 नवंबर तक प्रदेश के विभिन्न जिलों से होती हुई। रात्रि प्रवास जागेश्वर मंदिर पलवल में धर्म सभा व प्रवचन के बाद एडवोकेट ललित गर्ग के निवास पर होगा। कार्यक्रम में श्री संकट मोचन हनुमान मंडल के सदस्य योगेश तिवारी उर्फ मुन्ना भैया, कैलाश जोशी, मुकेश वर्मा प्रफुल्ल शर्मा, शंभू नाथ पांडे लोगों ने गुरु की महिमा की प्रस्तुति देते हुए शंकराचार्य को भजन सुनाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उद्योगपति अरुण बजाज, वी एस चौधरी, गौतम चौधरी, कोऑर्डिनेशन कमेटी के सदस्य पवन वशिष्ठ, एडवोकेट ललित, अमर बंसल, बलबीर शर्मा कैलाश शर्मा, पारसमल, प्रेम पसीज, विनोद गर्ग, प्रेम प्रकाश गुप्ता, पवन गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, कांतिलाल गुप्ता व संस्था के अध्यक्ष सहित अन्य का विशेष योगदान रहा।

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने आरएमसी रोड का किया शुभारंभ

Faridabad/Alive News

भारत सरकार के ऊर्जा एवं भारी उद्योग विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने भांकरी गांव में विकास कार्यों की एक और सौगात दी है। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर व विधायक सीमा त्रिखा ने सोहना रोड़ भाकरी गांव में 6 करोड़ से बनाई जाने वाले आरएमसी रोड का शुभारंभ किया। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि पिछले 70 सालों में इस देश में 90,000 किलोमीटर हाईवे बने। जबकि गत 9 वर्षों में हमने 56,000 किलोमीटर हाईवे बनाए है। पहले 12 किलोमीटर हाईवे प्रतिदिन बनते थे और आज 37 किलोमीटर हाईवे प्रतिदिन बनता है। पिछले 70 सालों में रेलवे का इलेक्ट्रिफिकेशन 20,000 किलोमीटर और आज इन नौ सालों में बढ़कर 40,000 किलोमीटर हो गया। पहले ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के हालत कैसे थे। आज 300 करोड़ की लागत से रेलवे स्टेशन का पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है। आने वाले एक साल में रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट जैसा दिखेगा। इसके साथ ही 100 करोड़ की लागत से न्यू टाउन रेलवे स्टेशन, बल्लभगढ़ और पलवल रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा। विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक विकसित देश के रूप में विश्व पटल पर अपनी पहचान बनाए। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में और मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेश में सबका साथ सबका

विकास सबका विश्वास के पथ पर चलते हुए निरंतर कार्य कर रहे हैं। 2047 तक भारत को विकसित देखना सरकार का लक्ष्य है। इस अवसर पर प्रवीण चौधरी जिला महामंत्री ओबीसी मण्डल, प्रवीण चौधरी, पूर्व मेयर डाक्टर अतर सिंह, धीरज सरपंच, कार्यकारी अभियंता पीडब्लूडी बी एण्ड आर विभाग प्रदीप संधू, कार्यकारी अभियंता चरणदीप राणा, वेद नम्बरदार, जगत सिंह फागना, राकेश, जिला पार्षद हरिंदर भड़ाना, समाजसेवी सत्येंद्र फागना, तुरमल, मास्टर विक्रम, धनराज, बृजेश, संजय, जतन, लाजपत, धनसिंह, विकास, संदीप, सत्य प्रकाश, विनय पाल, चमन, जगत, भवर सिंह सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

लिंग्याज विद्यापीठ ने चार्टर्ड अकाउंटस ऑफ इंडिया के साथ किया एमओयू साइन

Faridabad/Alive News

लिंग्याज विद्यापीठ डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने द इंस्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड ऑफ इंडिया के साथ एमओयू साईन किया। स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट की हेड डॉ स्मृति लिंग्याज विद्यापीठ डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने द इंस्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड ऑफ इंडिया के साथ एमओयू साईन किया। स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट की हेड डॉ स्मृति महाजन ने बताया कि द इंस्टियूट ऑफ चार्टेड अकाउंटस ऑफ इंडिया के बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष सीए विशाल दोशी के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता को साकार किया है।इस साझेदारी से हम वित्त और लेखा मामलों के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देंगे। इस समझौते के माध्यम से, हम वित्तीय प्रबंधन और लेखाकारी के क्षेत्र में विद्यार्थियों को उच्च शैक्षिक मानकों

के साथ प्रशिक्षित करेंगे ताकि वे वित्तीय प्रशासन और लेखा मामलों में अधिग्रहण कर सकें। इस अवसर पर सचिव डॉ. पिचेश्वर गड्ढे ने कहा कि हम इस महत्वपूर्ण साझेदारी का स्वागत करते हैं और यह साबित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि वित्तीय प्रबंधन और लेखा मामलों के क्षेत्र में संस्थान शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में और भी अधिक समृद्धि करेगा। इस सुअवसर पर रेजिस्ट्रार प्रेम कुमार सालवान ने कॉमर्स एंड मैनेजमेंट विभाग को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस समझौते के माध्यम से हम छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कदम बढ़ाएंगे। इस मौके पर बोर्ड ऑफ स्टडीज आईसीएआई के डायरेक्टर सीए वंदना डी नागपाल, डिप्टी डायरेक्टर डॉ एनएन सेनगुप्ता, मनोज कुमार दास और ज्योति अरोड़ा मौजूद रहे।

अतिक्रमण करने वालों पर प्रशासन हुआ सख्त

Faridabad/Alive News

त्योहारी सीजन के चलते अवैध जगह पर टेंट लगाकर या दुकान के बाहर सामान रखकर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ की जाएगी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के मुताबिक आज सेक्टर 15 व 16 की मार्केट में सड़क पर अतिक्रमण करने या रेहडी लगाकर सड़क पर जाम लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटवाया गया। एसडीओ सुरेंद्र कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के तौर पर नियुक्त किया गया जिनकी देखरेख में ट्रैफिक इंस्पेक्टर जगबीर सिंह व एमसीएफ टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि आज सेक्टर 15, 16 से पुलिस व जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इसके लिए उपायुक्त द्वारा ड्यूटी मजिस्ट्रेट को नियुक्त किया गया और पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर जिला प्रशासन ने अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई को पूरा किया। मार्केट तथा मेन मार्केट की सड़कों पर दुकानदारों द्वारा सामान लगाकर या सड़कों पर रेहडी लगवाकर अतिक्रमण किया जाता है। त्यौहार का सीजन होने के चलते सड़क किनारे करीब 40 से 50 टेंट लगाए गए थे इसके पास वाहन खड़ा करने या सड़क की जगह पर सामान रखने से सड़क का रास्ता संकरा हो जाता है जिसकी वजह से वहां पर वाहनों के आवागमन में परेशानी होती है।

सड़क संकरी हो जाने की वजह से वाहन धीरे धीरे चलते हैं और उनके पीछे आने वाले वाहन रुक जाते हैं इसकी वजह से ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और यात्रियों को इसकी वजह से बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी को देखते हुए आज प्रशासन द्वारा सड़कों से अतिक्रमण हटाया गया। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि दुकानदार सड़क पर सामान लगाकर अतिक्रमण न करें या जहां से अतिक्रमण हटा दिया गया है वहां पर दोबारा से समान न लगाएं अन्यथा उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी शहर मे यातायात सचारु रुप से चलता रहे और शहर मे जाम न लगे सभी थानो प्रबनधक को भी शहर मे अतिक्रमण करने वालो पर नजर रखने और कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

मानव रचना में दीक्षांत समारोह का आयोजन, 13 सौ से ज़्यादा छात्रों को दी गई डिग्रियां

Faridabad/Alive News

मानव रचना शैक्षणिक संस्थान (एमआरईआई) में शनिवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। मानव रचना यूनिवर्सिटी (एमआरयू), मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज और मानव रचना डेंटल कॉलेज (एमआरडीसी) के इस संयुक्त दीक्षांत समारोह का शुभारंभ दीप जलाकर किया गया। इस दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान के पूर्व निदेशक पद्मश्री प्रोफेसर पद्मनाभन बलराम बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। मौके पर एमआरईआई की चीफ पैट्रन सत्या भल्ला, अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला, उपाध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला, एमआरआईआईआरएस के उपकुलपति डॉ. संजय श्रीवास्तव, एमआरयू के उपकुलपति डॉ. आईके भट, महानिदेशक एमआरईआई डॉ. एनसी वाधवा आदि मौजूद रहे। समारोह के दौरान 13 सौ से ज़्यादा डिग्रियां दी गई, इनमें 989 स्नातक, 300 स्नातकोत्तर व 13 पीएचडी डिग्रियां शामिल हैं। साथ ही 67 मेधावी विद्यार्थियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। मानद डिग्री पाने वालों में पूर्व भारतीय मुक्केबाज पद्म विभूषण एमसी मैरी कॉम, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस यूयू ललित, आश्रम गांधी पुरी के संस्थापक पद्मश्री आगुस इंद्र उदयन, साइकोट्रोपिक्स इंडिया लिमिटेड के संस्थापक नवदीप चावला, सुमन निर्मल मिंडा फाउंडेशन की चेयरपर्सन सुमन मिंडा और एडीपी प्राइवेट लिमिटेड में सीनियर वाइस प्रेजीडेंट डॉ विपुल सिंह शामिल रहे।

डीसी ने एनजीटी के केसों का गम्भीरता से निपटान करने के दिए निर्देश

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में जिला में लंबित राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के केसों की समीक्षा बैठक आयोजित की गईडीसी विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में जिला में लंबित राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के केसों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जहां उन्होंने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल पर्यावरण के केसों का निपटान अधिकारी गंभीरता से करें। डीसी विक्रम सिंह ने एनजीटी के केसों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल की हिदायतों के अनुसार ज़रूरी दिशा-निर्देश भी दिए। राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल पर्यावरण के केसों समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के पर्यावरण सम्बंधित केसों का निपटान अधिकारी समयबद्ध तरीके से धरातल पर निरीक्षण करके पूरा करें। जिला फरीदाबाद में एक्यूआई प्रदूषण की मात्रा 300 से अधिक चली गई है। जो कि मानव जीवन के स्वास्थ्य के लिए अच्छी खबर

नहीं है। इसलिए जिस भी अधिकारी को उनके विभाग से जुड़े एनजीटी के केसों की जिम्मेदारी तय की गई है। वे अधिकारी पूरी निष्ठा के साथ एनजीटी की गाइड के अनुसार केसों की पूरी पैरवी करें। अवैधानिक रूप किए जा रहे हैं सभी कार्यों पर तुरंत प्रभाव से कार्यवाही करते हुए आन लाइन प्लेट फार्म प्रणाली पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। डेलीबेसिज पर समीक्षा करके जिला मुख्यालय में सूचना जरूर देना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी केसों का निपटान एनजीटी की हिदायतों के अनुसार ही करना सुनिश्चित करें। जिस विभाग की जो भी जिम्मेदारी है। उसे निर्धारित समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें। वहीं उन्होंने बैठक में एनजीटी के सभी केसों की एक-एक करके विभाग वार जानकारी लेकर सम्बन्धित अधिकारी से जबाब देही के साथ समीक्षा की। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल अधिकरण एनसीआर में गंभीरता से कार्य कर रहा है। इसलिए एनजीटी द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार जिला फरीदाबाद में नियमों की पालना करना सुनिश्चित करें। बता दें विगत 18 अक्टूबर 2010 को राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत पर्यावरण बचाव और वन संरक्षण और अन्य प्राकृतिक संसाधन सहित पर्यावरण से संबंधित किसी भी कानूनी अधिकार के प्रवर्तन और क्षतिग्रस्त व्यक्ति अथवा संपत्ति के लिए अनुतोष और क्षतिपूर्ति प्रदान करना और इससे जुड़े हुए मामलों का प्रभावशाली तथा तीव्र गति से निपटारा करने के लिए किया गया है। यह एक विशिष्ट निकाय है, जो कि पर्यावरण विवादों बहु-अनुशासनिक मामलों सहित, सुविज्ञता से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक तंत्रों से सुसज्जित है।

ये हैं एनजीटी की मुख्य गाइडलाइन

राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल की हिदायतों के अनुसार यह प्राधिकरण 1908 के नागरिक कार्यविधि के द्वारा दिए गए कार्यविधि से प्रतिबद्ध नहीं है। लेकिन प्रकृतिक न्याय सिद्धांतों से निर्देशित है। राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल पर्यावरण से संबंधित सभी मामलों के तहत सुनवाई कर सकता है। वन अधिनियम 1980, वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1981,जल अधिनियम 1974, जल उपकरण अधिनियम 1977, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, जैव विविधता अधिनियम 2002 शामिल हैं। एनजीटी का न्यायिक क्षेत्र बहुत अधिक विस्तार है। इसे सिविल न्यायालय की शक्तियां की प्राप्त है और दंड के रूप में अधिकतम 3 वर्षों की सजा तथा ?10 करोड़ रुपये की धनराशि के आर्थिक दंड दे सकता है।

एनजीटी के केसों की समीक्षा बैठक में डीसीपी पूजा वशिष्ठ, एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल, एसडीएम बड़खल कम सीटीएम अमित मान, एचएसवीपी के एस्टेट आफिसर्स सिद्धार्थ दहिया, डीआरओ बिजेन्द्र राणा, एसीपी मुख्यालय अभिमन्यु गोयत, एसीपी ट्रैफिक विनोद कुमार, एडीए, एमसीएफ, स्मार्ट सीटी,नेशनल हाईवे सहित एनजीटी के केसों से सम्बंधित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

Haryana News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

DAV school students gave a big message through green rally

Faridabad/Alive News

Students of classes 3 to 5 of DAV Public School, Sector-37, participated in the Green Rally on October 6, 2023. The students enthusiastically encouraged people to move from plastic to eco-friendly paper bags. The response was extremely positive, people also took a pledge to protect the environment. This rally was organized under the able guidance of school principal Deepti Jagota and supervising head Dimple Bhatia. D.A.V. The young students of classes 1 and 2 at the public school also organized a lively mini fair under the guidance of their principal Deepti Jagota and supervising head Geeta Nagpal. Tradition and unity were adopted in this program. Which included stalls like toy shop, balloon shop, music and dance and much more. These events collectively represent youth-driven change towards a sustainable and joyful future. The school often organizes such events so that students can get bookish as well as other information including environmental protection.

मानव रचना ने शिक्षा में बेहतरीन बदलाव को लेकर आईबी के साथ किया एमओयू पर हस्ताक्षर

Faridabad/Alive News

मानव रचना शैक्षणिक संस्थान (एमआरईआई) ने इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (आईबी) के साथ समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। शिक्षा में बेहतरीन बदलावों के साथ छात्रों को करियर आधारित शिक्षा प्रदान करने और उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से ये साझेदारी की गई है। इसके तहत समूह के स्कूलों में आईबी आधारित पाठ्यक्रम लागू करना, आईबी के करियर-आधारित कार्यक्रमों को लागू करना और उन्नत शिक्षण केंद्र स्थापित करना शामिल हैं।

इस समझौते के तहत मानव रचना यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर एडवांस्ड लर्निंग की स्थापना की जाएगी, जहां आईबी एजुकेटर्स सर्टिफिकेट (आईबीईसी) पाठ्यक्रम कराया जाएगा। इस केंद्र में उन शिक्षकों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा जो आईबी कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए ज्ञान और कौशल हासिल करना चाहते हैं। इस दौरान आईबी टीम का प्रतिनिधित्व आईबी यूके में मार्केटिंग एंड कम्यूनिकेशन डायरेक्टर डॉ. एमी पार्कर डिक्सन, आईबी द हेग नीदरलैंड में बिजनेस डेवलपमेंट के ग्लोबल डायरेक्टर हाइफ़ बन्नायन, दक्षिण एशिया के आईबी डेवलपमेंट एंड रिकगनेशन मैनेजर महेश बालकृष्णन , भारत में आईबी डेवलपमेंट एंड रिकगनेशन मैनेजर शशिकांत विश्वकर्मा ने किया।

मौके पर एमआरईआई के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान अध्यक्ष एमआरईआई डॉ.

अमित भल्ला, उप कुलपति एमआरआईआईआरएस प्रोफेसर (डॉ.) संजय श्रीवास्तव, उपकुलपति एमआरयू प्रोफेसर (डॉ.) आई के भट्ट, प्रति उप कुलपति एमआरयू डॉ. संगीता बांगा, निदेशक आईबी स्कूल रशिमा वी वर्मा, सीओओ एंड एडमिशंस व मार्केटिंग की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) गौरी भसीन, प्रबंध निदेशक एमआरईआई राजीव कपूर, स्कूल प्रमुख आईबी एमआरआईएस सेक्टर 14 रितु दुबे, एमआरआईएस सेक्टर 14 आईबी स्कूल में हैड ऑफ एकेडमिक्स एमानुले पेसोली, सीईओ कुन्सकैप्सकोलन एडुवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड सुनीता नांबियार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान हाइफ़ बन्नायन ने कहा कि, ' परिसर में आकर जिस गर्मजोशी से स्वागत हुआ हैं उससे अभिभूत हूं। मानव रचना समूह से जुड़े इंटरनेशनल स्कूलों व संस्थानों को देखना और उनकी उपलब्धियों को जानने का अनुभव शानदार रहा। उम्मीद है कि आईबी आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए ये संस्थान निश्चित रूप से बेहतरीन काम करेगा।डॉ. एमी पार्कर डिक्सन ने कहा कि हम आईबी पाठ्यक्रम के तहत छात्रों के बेहतरीन भविष्य के लिए उन्हें सीखने का मंच देते हैं। मानव रचना समूह से जुड़े संस्थानों की विचारधारा भी यही है, इसलिए पूरा यकीन है कि इस समझौते का लाभ छात्रों को बेहतरीन रूप से मिल सकेगा।

डॉ. प्रशांत भल्ला ने साझेदारी के बारे में कहा कि ये सहयोग उन प्रयासों और पहलों को मजबूत करेगा जो हमने मानव रचना में कई क्षेत्रों में विभिन्न शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से किए हैं। आईबी के जरिए दुनिया भर में शिक्षा और करियर की राह तराशने के लिए छात्रों को वैश्विक दृष्टिकोण मिलेगा। महेश बालकृष्णन ने कहा कि मानव रचना प्रदेश के सरकारी स्कूलों में खेल, शिक्षण और लर्निंग की दिशा में कितना कुछ रहा है ये बेहद सराहनीय है। संस्थान में छात्रों के लिए बेहतरीन अवसर हैं और आईबी से इसका और ज्यादा लाभ मिल सकेगा।

युवा आगाज ने प्रत्यक्ष छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

Faridabad/Alive News

प्रदेश भर के कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में प्रत्यक्ष छात्र संघ चुनाव करवाए जाने की मांग को लेकर युवा आगाज संगठन के संयोजक जसवंत पवार ने जिला फरीदाबाद अतिरिक्त उपायुक्त आनंद शर्मा के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र सौंपा तथा प्रदेश सरकार से छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग की। संगठन संयोजक जसवंत पवार ने कहा कि युवा आगाज लगातार छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग करता रहा है 2014 से लेकर 2017 के युवा आगाज के संघर्ष के कारण ही 1996 से बंद पड़े छात्र संघ चुनाव 2018 में बहाल किए गए और हरियाणा सरकार ने 2018 में अप्रत्यक्ष रूप छात्र संघ चुनाव कराए। उसके बाद कोरोना जैसी महामारी की वजह से छात्र संघ चुनाव नहीं हो सके थे लेकिन अब स्थिति पहले जैसी सामान्य हो गई है। इसलिए हरियाणा के अंदर छात्रसंघ चुनाव बहाल करवाने चाहिए । नेहरू कॉलेज छात्र नेता बलजीत ने बताया कि प्रदेश में छात्रों की मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है जिसके चलते कई वर्षों से छात्र आंदोलन की राह पर हैं। अगर छात्र संघ चुनाव बहाल होंगे तो छात्रों को उनके प्रतिनिधि मिलेंगे जो उनकी आवाज को उठाने का काम करेंगे। जिला अध्यक्ष छात्र नेत्री तरुणा ने कहा कि लोकतंत्र में मताधिकार सभी को है फिर विद्यार्थियों से मत का अधिकार छीनना लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही प्रत्यक्ष छात्र संघ चुनाव बहाल नहीं हुए तो युवा आगाज अपना प्रदर्शन तेज करेगा।

DAV School NH3 celebrated investiture ceremony with pomp

Faridabad/Alive News

DAV Public School NH-3 celebrated its investiture ceremony for the academic session 2023-2024 with great pomp and dignity. The chief guest for the event was Devender Singh Gulia, the District Sports Officer Faridabad alongwith Deepak Ahlawat (Archery Coach at Sports complex Faridabad. The event commenced with the lamp lightening and the welcoming of the guests. After that a group song was sung by the students of class IX and XI followed by a dance performance by Samrithi of class VI. Abhiraj of class X delivered a speech and Swapanjeet of class X sang a melodious song to grace the occasion. The members of the newly formed student council, which comprised of Head boy Mridul and Head girl Jigyasa with sports captains, house captains, vice-captains and prefects, were then conferred with badges by the chief guest. The Head boy, the Head girl and newly elected council members and prefects marched spritely to receive their badges. The school Principal Jyoti Dahiya congratulated the newly elected council members. She reminded them that with position comes responsibility which enables them to achieve great heights. The chief guest congratulated the council members and told them to be impartial and honest in leadership and discipline.The ceremony concluded with the Shanti path.

डीएवी स्कूल के बच्चों के रामलीला मंचन से भाव-विभोर हुए अभिभावक

Faridabad/Alive News

सेक्टर-49 के डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल में ग्रैंड पैरेंट-डे (दादा दादी) दिवस मनाया गया, जिसमें स्कूल के बच्चों के दादा दादी के सामने बच्चों ने रामलीला के साथ विभिन सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

इस मौके पर बतौर विशिष्ट अतिथि स्कूली की संस्थापिका एवं पूर्व प्रिंसिपल नीलम भल्ला लम्बे अंतराल के बाद अपने पुराने साथियों से मिलते हुए अपने पुरानी यादों को साझा किया। साथ ही नीलम भल्ला ने बच्चों के दादा दादी से अपील की है कि अपने बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताये और अपने अनुभव साझा करें, ये बच्चों को संस्कारवान व चरित्रवान बनाने में मददगार साबित होगा।

इस अवसर पर स्कूल प्रिंसिपल राजन गौतम ने बताया कि दादा-दादी एक परिवार का सबसे बड़ा खज़ाना, एक प्यारी विरासत के संस्थापक व परिवार की मज़बूत नींव होते हैं। उन्हें सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष पितामाह दिवस बहुत धूमधाम और उत्साह से मनाया जाता है। गायत्री मन्त्र और प्रार्थना से कार्यक्रम का

शुभारंभ किया गया।दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में अपनी गरिमामयी संस्कृति को बनाये रखने के लिए समूह गान व नृत्य गान द्वारा राम कथा का मंचन किया गया। जिसमें प्राइमरी विभाग के छात्रों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ श्रीराम जी के जीवन की झलकियों का प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। अंत में विद्यालय के प्रिंसिपल ने श्रीराम जी के जीवन से प्रेरणा लेकर उनकी तरह आज्ञाकारी बनने व मर्यादा में रहते हुए अनुशासन का पालन करने की आशा जताते हुए मुख्य अतिथि गणों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रांगण में दादा-दादी के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी बुज़ुर्गों ने बड़े उत्साह व जोश के साथ बढ़-चढ़ कर भाग लिया। खेलों में भाग लेते हुए बुज़ुर्गों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विजेता बुज़ुर्गों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।डी.ए.वी.गान,राष्ट्रगान और शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गंगोत्री मॉडर्न स्कूल में अपराध, भ्रूण हत्या को लेकर विधार्थियों को किया जागरूक

Faridabad/Alive News

गंगोत्री मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों साइबर फ्रॉड, महिला विरुद्ध अपराध और नशा के संबंध में जागरुक करते हुए बताया कि आजकल साइबर अपराधियों ने ठगी के नए-नए रास्ते खोज लिए हैं जिसके तहत वह आमजन के बैंक खातों से उनकी खून पसीने की कमाई चुटकियों में उड़ा लेते हैं। इसके लिए वह अलग-अलग माध्यमों का उपयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी किसी भी प्रकार से आपका बैंक अकाउंट, एटीएम कार्ड नंबर, क्रेडिट कार्ड नंबर, सीवीवी या मोबाइल ओटीपी पूछने का प्रयास करेंगे परंतु आप उनके साथ अपने बैंक अकाउंट क्रेडिट या डेबिट कार्ड से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करें। उन्होंने बताया कि जागरूक व्यक्ति साइबर अपराधियों को आसानी से पहचान सकता है और उनके झांसे में नहीं आता इसलिए आवश्यक है कि साइबर अपराध के प्रति जागरूक बने और अपने साथियों को भी इसकी जानकारी दें ताकि वह भी साइबर अपराध का शिकार होने से बच सकें। उन्होंने बताया कि कई बार फ्रॉड करने वाला आपके किसी सगे संबंधी का व्हाट्सएप हैक करके व्हाट्सएप कॉल करता है और किसी मजबूरी का कारण बताकर आपसे पैसे ऐंठ लेता है। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन नौकरी अतिरिक्त आय, लॉटरी इत्यादि के लालच में न पड़े। ईमेल या व्हाट्सएप पर प्राप्त फर्जी लिंक पर क्लिक न करें जब तक उन पर आप 100 प्रतिशत सुनिश्चित न हो। अपने फोन में अनावश्यक एप जैसे एनीडेस्क क्विक सपोर्ट टीमव्यूअर डाउनलोड नहीं करें इससे आपका फोन कोई दूसरा व्यक्ति एक्सेस कर सकता है। व्हाट्सएप पर अनावश्यक या अंजान वीडियो कॉल ना उठाएं क्योंकि यह हनी ट्रैप का मामला हो सकता

है जिसमें आपको फंसा कर आपसे पैसों की मांग की जा सकती है। पुलिस के हेल्पलाइन नम्बर डायल 112 पर सूचना दे। अगर आपके साथ साइबर फ्रॉड होता है तो हेल्पलाइन नंबर 1930 सूचना दे। आपकी तुरंत पुलिस के द्वारा सहायता की जाएगी। अगर आपके आस पास कोई व्यक्ति या औरत नशा तस्करी करती है तो नशा तस्करों के बारे में पुलिस को सूचना दे और दुर्गा शक्ति एप उनके मोबाइल में डाउनलोड करवाया और बताया कि इसके माध्यम से है पुलिस से संपर्क कर सकते हैं। इसी के साथ इस जागरूकता कैंपेन का समापन किया गया जिसमें स्कूल के स्टाफ के द्वारा पूरी पुलिस टीम का तहे दिल से धन्यवाद किया।

बाल कल्याण परिषद ने करवाया जिला स्तरीय बाल महोत्सव: डीसी

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि जिला बाल कल्याण परिषद ने आज वीरवार को पांचवे दिन जिला स्तरीय बाल महोत्सव 2023 करवाया। विद्यार्थियों की यह प्रतियोगिताएं 20 अक्तूबर तक चलेंगी। बता दें कि हरियाणा बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में मानद महासचिव रंजीता मेहता के निर्देशानुसार बाल भवन एनआईटी के सभागार में जिला स्तरीय बाल महोत्सव 2023 के उपलक्ष्य में चौथे दिन की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वहां पहुंचने पर जिला बाल कल्याण अधिकारी एसएल खत्री ने अतिथियों को पर्यावरण का प्रतीक पौधा एवं पुष्प गुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया गया।

बच्चों की मुख्य रूप ये प्रतियोगिताएं हुई आयोजित

आज बाल भवन के प्रांगण में विद्यार्थियों द्वारा एकल गीत 2,3 व 4 ग्रुप, फैंसी ड्रेस ग्रुप 1,पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता 2, 3 और 4 ग्रुप में आयोजित की गई। इस मौके पर जिला बाल कल्याण परिषद अधिकारी एसएल खत्री ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए बताया कि हरियाणा बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में जिला बाल कल्याण परिषद फरीदाबाद द्वारा बाल महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जा रहा है। उन्होने बताया कि

यह प्रतियोगिताएं गत 16 अक्टूबर से आगामी 20 अक्टूबर तक चलेंगी। आज बाल भवन में आयोजित बाल महोत्सव प्रतियोगिताओं में बच्चों ने देशभक्ति से परिपूर्ण समूहगान की शानदार प्रस्तुति दी। मां सरस्वती के चित्र समक्ष दीप प्रज्वलित किया।

संगीत का हुनर परमात्मा का दिया गया अनुपम उपहार है, जो हर किसी को नहीं मिलता। इंसान भौतिक वस्तुएं खरीद व बेच सकता है, लेकिन अपने कंठ, सुर-ताल या अपनी कला को न तो बेच सकता है और न ही खरीद सकता है। जिस व्यक्ति के पास गीत एवं संगीत की कला है, वह कभी भी अकेला महसूस नहीं कर सकता। इसके साथ ही कला एवं संगीत से हम जिला, राज्य, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से जीवन में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों व अन्य किसी कला प्रतियोगिता में जरूर भाग लेना चाहिए। इससे जीवन में अनुशासन की भावना भी बनती है।

जिला बाल कल्याण परिषद ने बताया कि प्रतियोगिता में बच्चों द्वारा अपनी प्रतिभा का खूब प्रदर्शन किया जा रहा है। बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुती दी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला के स्कूलों के बच्चे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। जिला स्तर पर अव्वल आने वाले बच्चें 26 अक्टूबर को आयोजित होने वाली मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका, हेमलता, बॉबी गुप्ता, सुखबीर दहिया, रविकांत, संजय कुमार मिश्रा, प्रमिता, नरेंद्र, मनोज शास्त्री, अंसुल व पम्पा ने निभाई।

DAV School Ballabgarh celebrates Dussehra

Faridabad/Alive News

Students of class LKG daily performed various episodes from the Hindu epic Ramayana related to the life story of Lord Rama with 100% participation. It tells the story of his birth, his exploits in defeating demons in his youth, the defeat of the demon Ravana and his eventual restoration to the throne. Children also gave dance performances, which attracted everyone's attention. On this festive occasion, children from Nursery to UKG enjoyed Dussehra related activity by preparing colorful stick puppet of Ravana and students of class I and II beautifully decorated Dandiya sticks on the holy occasion of Navratri. Children came in their traditional attire and also enjoyed the fruit chaat party. Finally the effigy of Ravana was set on fire, putting everyone in a festive mood. School Principal Ms. Namita Sharma encouraged the students to adopt the teachings of Lord Ram in their daily life and thus become good human beings.

DAV school celebrated dussehra, Presented dance on "Ram Stuti"

Faridabad/Alive News

DAV school celebrated Dussehra and special assembly was organized in which the students highlighted the importance of the festival and how it is celebrated in the country. The program started with a speech given by Naitik of Class-2 which was followed by a speech highlighting the importance of this day. The shining stars of Class-2 presented a mesmerizing Durga Vandana. Cultural programs were organized in the school premises. Children of class LKG and UKG presented a dance on "Ram Stuti". Little Devians of class I and II presented a dance drama (NRTIYA NATIKA) in which they performed scenes from the stories of Ramayana. Chaupai of Ramayana was presented by Khyati of Class-UKG . The colorful costumes worn by the dancers and the colorful sticks, arrows and swords they carried were attractive. The little ones were dressed up like Ram, Lakshman, Sita and Ravana. The students also learned some beautiful craft work and made the effigy of Ravana with great enthusiasm. Little children of class Noor. and Lkg made cut-outs of Ravana from waste paper. He imbibed the message – good always triumphs over evil. In the end, School Principal Jyoti Dahiya appreciated everyone for presenting a wonderful program and gave her blessings.

डीएवी पुलिस स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

Faridabad/Alive News

सेक्टर 30 स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आज दशहरा पर वी का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें डीसीपी सेंट्रल पूजा वशिष्ठ ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। स्कूल प्रधानाचार्य हेमा अरोड़ा ने डीसीपी का प्लांटर व बेज देकर स्वागत किया। इसका उद्देश्य समावेशिता का अनुभव करना और सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाना था। त्योहार के महत्व पर प्रकाश डालने के साथ विद्यालय का लक्ष्य पौराणिक चरित्र रावण के जीवन से छात्रों को मूल्यवान सबक प्रदान करना था । इस कार्यक्रम में डीसीपी सेंट्रल पूजा वशिष्ठ ने शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा को ओर भी बढ़ा दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों के द्वारा वाद्य यंत्रों पर मधुर धुन बजाकर की गई। छात्रों द्वारा बड़े उत्साह के साथ रंगारंग कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए रामलीला व नृत्य का प्रदर्शन किया गया। रामलीला के माध्यम से छात्रों ने यह सिद्ध कर दिया कि बुराई कितनी भी प्रबल क्यों ना हो जीत हमेशा अच्छाई की ही होती है तथा प्रकाश हमेशा अंधेरे पर विजय प्राप्त करता है। रामलीला द्वारा संपूर्ण जीवन का ज्ञान समझाया गया कि शुभ कार्य में आलस ना करें तथा अपनों का साथ कभी ना छोड़ें। तदोपरांत विशिष्ठ अतिथि माननीय पूजा वशिष्ठ ने दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी विद्यार्थियों को रामलीला में निहित रावण की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए समझाया कि रावण एक महान ज्ञानी और तपस्वी था। रावण द्वारा लक्ष्मण को दी गई शिक्षा या सीख को हम सभी को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

सभी त्योहारों द्वारा देश की राष्ट्रीय एकता और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने के महत्व को भी उजागर किया गया। तत्पश्चात धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या हेमा अरोड़ा ने छात्रों को दशहरे की शुभकामनाएं देते हुए संदेश दिया कि हम रावण का पुतला जलाकर बुराई पर अच्छाई की जीत तो प्रदर्शित करते हैं परंतु अपने अंदर की बुराई को खत्म करने पर विचार नहीं करते। जिस प्रकार दीपक की लौ अंधकार का नाश करने के लिए काफी होती है । उसी प्रकार एक अच्छी विचारधारा वाली सोच अपने अंदर के रावण का नाश करने के लिए काफी है। हर किसी में अच्छाई और बुराई होती है पर हमें जीवन में किसे चुनना है, यह हमें रावण के चरित्र से सीखना चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात रावण दहन किया गया और पुलिस उपायुक्त द्वारा सभी छात्रों को दशहरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

विद्यार्थियों को मतदान के प्रति किया प्रेरित

Faridabad/Alive News

गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान तथा वोटर आइडी बनवाने के लिए जागरूक किया गया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि 18 वर्ष से अधिक आयु वाले विद्यार्थी मतदाता के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं। आप ऑफलाइन भी पंजीकरण करा सकते हैं। फॉर्म संख्या 6 भरें। फॉर्म 6 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और बूथ स्तर अधिकारियों के कार्यालयों में भी निःशुल्क उपलब्ध है।

आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र अथवा राशन कार्ड एवम एक फोटो सहित फॉर्म 6 के साथ आवेदन संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष प्रस्?तुत किया जा सकता है या उसे डाक से भेजा जा सकता है या उसे आपके मतदान क्षेत्र के बूथ स्तर के अधिकारी को सौंपा जा सकता है।किसी भी सहायता के लिए 1950 पर कॉल करें।

इस से पूर्व प्राध्यापक कैलाश चंद्र ने भी सभी अध्यापकों और विद्यार्थियों को आन लाइन और ऑफ लाइन दोनों प्रकार से स्वयं को वोटर के रूप से रजिस्टर करने के बारे में बताया। प्राचार्य मनचंदा ने विद्यालय के 18 वर्ष से अधिक सभी 639 विद्यार्थियों को शीघ्र अति शीघ्र अपने आप को नए वोटर के रूप से रजिस्टर करने के बारे में बताया। इस अवसर पर प्राध्यापक जितेंद्र, गीता, धर्मपाल सहित अन्य अध्यापकों ने विशेष सहयोग किया।

जीवा स्कूल में संस्कार मेले का आयोजन

Faridabad/Alive News

सैक्टर 21 बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव के रूप में संस्कार मेले का आयोजन किया गया। जीवा पब्लिक स्कूल परिसर में वार्षिक उत्सव के रूप में संस्कार मेले का आयोजन किया जाता है जिससे यह दर्शाया जा सके कि यहाँ शिक्षा केवल किताबी शिक्षा पर ही केंद्रित नहीं हैए बल्कि यहाँ पर छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ज़ोर दिया जाता है जिससे छात्रों का चातुर्दिक विकास हो सके। इसके साथ ही विद्यालय में भारतीय परंपरा और संस्कृति के प्रति भी विशेष तौर पर ध्यान दिया जाता है। विद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के द्वारा छात्रों का उचित मार्गदर्शन किया जाता हैए जिससे वे समाज के सभ्य व चरित्रवान नागरिक बन सकें। भारतीय परंपरा का ध्यान रखते हुए मेले का शुभारंभ परंपरागत ढंग से दीप प्रज्जवलित कर किया गया एवं श्री कृष्ण की पूजा अर्चना भी की गई। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहानए उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेवए डायरेक्टर ऑफ सीइओ जीवा आयुर्वेद मधुसूदन चौहान डायरेक्टर्स काजल चौहान मीनाक्षी सिंह एवं नीरजा चौहान भी उपस्थित रहीं। इसके उपरांत स्कूल प्रांगण में एक-एक करके अनेक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया सर्वप्रथम गणेश वंदना प्रस्तुत की गई तथा स्कूल एवं छात्रों के पूरे वर्ष की

उपलब्धियों को स्कूल रिपोर्ट के माध्यम से बताया गया। नन्हे मुन्ने बच्चों ने बेहद अनोखे अंदाज में कृष्ण की सुंदरता का वर्णन किया है। वहीं ऑर्केस्ट्रा पर बच्चों ने हनुमान चालीसा की धुन बजाईए बारहवीं कक्षा के छात्र नव्या जाना ने बहुत सुंदर गीत प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत छात्रों ने बैसाखी के पर्व को भी नृत्य के रूप में प्रस्तुत किया।

विद्यालय के सभी कार्यक्रमों में से सबसे उत्कृष्ट कार्यक्रम रहा महाभारत जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों ने संपूर्ण महाभारत को नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत कर सबको अपने अभिनय से चकित कर दिया। छात्रों ने इस कार्यक्रम में अपनी अद्भुत प्रस्तुति दी।लथिशा एवं पीयूष ने उपस्थित दर्शकों का मनोरंजन किया वहीं छठी कक्षा की रियाए सरताज एवं आदित्य ने भी अपने हास्य मिमिक्री प्रस्तुत कर सबका मन प्रसन्न कर दिया। छात्रों ने देश के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों का वर्णन करते हुए एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। वहीं विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने संपूर्ण महाभारत को नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत कर सबको चकित कर दिया। विद्यालय की छात्राओं ने हरियाणा की संस्कृति को नृत्य के माध्यम प्रस्तुत किया। इसके उपरांत छात्रों ने तेनाली राम की एक प्रेरक कथा पर आधारित लघु नाटिका का मंचन किया। दसवीं कक्षा की छात्रा दृष्टि ने भी अंग्रेजी में

छात्रों ने श्रीकृष्ण की विविध कलाओं एवं लीलाओं को भी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। पंजाब की संस्कृति को प्रस्तुत करते हुए छात्रों ने रंगला पंजाब पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। अभिभावकों के लिए विशेष आकर्षण के रूप में डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों का ऑकेस्ट्रा प्रोग्राम भी शामिल रहाए जिनके धुनों को सुनकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

मेले में इस बार एक विशेष थीम रखी गई जिसमें श्री कृष्ण जन्मभूमि एवं बाल्यकाल की सुंदर झलकियां दिखाई गई। प्रत्येक खेल में विद्यालय के सिद्धांतों के साथ साथ श्री कृष्ण की जन्म स्थली के दर्शन दिखाई दिए। इन सिद्धांतों में डीकेएन एसओएई इत्यादि का समावेश किया गया।अभिभावकों एवं बच्चों के लिए भी अनेक प्रकार के मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गयाए जिसमें उन्होंने खूब आनंद प्राप्त कियाए मैजिक वर्ड्स;खेले कृष्णा के संगद्धए कृष्णा डिवाइन क्लॉकए नेचर ग्रैटिच्युडए सफलता संतभए ज्ञान चक्रए गोकुल के लगोरीए कृष्णा एक नाम अनेक सिक्रेट ऑफ मटकीए कालिया नाग का दमनए ट्रेल द कृष्णा केवए डिवाइन दृष्टिएइत्यादि अनेक ऐसे गेम्स रहे जो मनोरंजक होने के साथ साथ भारतीय संस्कृति के स्तंभ बने । इसके अलावा मेले मेंए सल्फी कॉरनरए मेंहदीए टैटू एवं नेल आर्ट विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा ए.टी.ल. के अतंर्गत बनाए गए रोबोर्टस एवं प्रोजेक्ट्स मेले के मुख्य आकर्षण रहे।

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने कहा कि हमें अपने बच्चों को पाठ्यक्रम की शिक्षा के साथ साथ संस्कार अवश्य देने चाहिए मनुष्य चाहे कितनी भी उन्नति कर ले संस्कार के बिना यह निरर्थक हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को निरंतर सीखने का प्रयास करना चाहिए। विद्यालय की उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान एकेडमिक एंड ऐक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव ने भी सभी छात्रों की प्रस्तुति की प्रसंशा की एवं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

यूथ फेस्टिवल युवाओं की प्रतिभा निखारने का बेहतर प्लेटफार्मः एसडीएम

Faridabad/Alive News

एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल ने कहा कि यूथ फेस्टिवल युवाओं की प्रतिभा निखारने का बेहतर प्लेटफार्म होता है। एसडीएम चहल ने कहा कि प्रतिभाशाली युवा फेस्टिवल के जरिये अन्य युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत बनते हैं। एसडीएम परमजीत चहल आज वीरवार को गवर्नमेंट कॉलेज खेड़ी गुजरान में जिला फरीदाबाद, पलवल और झज्जर जिला के कालेजों के विद्यार्थियों के लिए एमडी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित यूथ फेस्टिवल का शुभारंभ अवसर पर उपस्थित युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे।

एसडीएम परमजीत चहल ने कहा कि यूथ फेस्टिवल फाइन आर्ट से जुड़ी प्रकृति की नजदीकी ले जाने में सहायक होती है। इससे फेस्टिवल में भाग लेने वाले युवाओं को प्रकृति की ओरिजिनल्टी के साथ साथ जोड़ती है।एसडीएम परमजीत ने कहा कि फेस्टिवल के जरिये युवा विद्यार्थियों में छिपी हुई कला का बेहतर प्रदर्शन करने का बेहतर मौका मिलता है। फेस्टिवल में बहुत सारे लोगों को प्रतिभागियों की कला देखकर उन लोगों के वह प्रेरणा के स्त्रोत बनते हैं। परमजीत चहल ने कहा कि यूथ फेस्टिवल में युवाओं को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलता है। जिससे कि भागीदार युवा कई युवाओं की प्रेरणा का स्त्रोत बनता है। युवाओं में छुपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन यूथ फेस्टीवालों के जरिए ही होता है।बता दें कि एमडीयू के जोनल यूथ फेस्टिवल में पांच क्षेत्र में कंपटीशन के जरिए तीनों जिलों से लगभग 43 कॉलेज के विद्यार्थी अपने भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। जोनल यूथ फेस्टिवल में मुख्य अतिथि के तौर पर मैडम ज्योति शरण, एमडीयू के एडिशनल निदेशक डॉ प्रताप राठी, डॉ शमशेर अहलावत व सुधांशु उपाध्याय का कॉलेज की प्रिंसिपल अर्चना वर्मा ने मेहमानों का शाल ओढा कर स्मृति चिन्ह देकर भी सम्मानित करके स्वागत किया। वहीं जोनल युथ फेस्टिवल के शुभारंभ अवसर मंत्रो उच्चरण के साथ मा सरस्वती वंदना करके दीप प्रज्वलित किया गया।

सीएसआर के तहत फरीदाबाद पुलिस को भेंट की महिंद्रा थार

Faridabad/Alive News

अपनी जान को जोखिम में डालकर नागरिकों की सुरक्षा करने व जिले में कानुन व्यवस्था बनाऐ रखने वाली फरीदाबाद पुलिस को सीएसआर के तहत महिंद्रा थार भेंट की गई है। सीएसआर फडं जिसमें कंपनियों द्वारा अपने लाभ का कुछ अंश सामाजिक कार्यों में खर्च किया जाता है।

इंपीरियल ऑटो कंपनी के चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के गवर्निंग बॉडी के प्रतिष्ठित सदस्य जगजीत लांबा ने यह गाड़ी डीसीपी मुख्यालय अभिषेक जोरवाल के सुपुर्द की। इस मौके पर अध्यक्ष एच. के. बत्रा, माननीय. महासचिव रोहित रुंगटा और एफसीसीआई के अन्य सदस्य इस मौके पर मौजूद रहे। पुलिस

उपायुक्त अभिषेक जोरवाल ने कंपनी द्वारा दी गई भैंट के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सीएसआर के तहत दी गई गाड़ी पुलिस टीम द्वारा गस्त में प्रयोग की जाएंगी जिससे कि पुलिस पेट्रोलिंग में बढ़ोतरी होगी और नागरिकों में सुरक्षा का भाव पैदा होगा। पुलिसकर्मी दिन में विभिन्न प्रकार की कड़ी ड्यूटिया करते हैं और रात में नागरिकों की सुरक्षा और अपराधों पर रोक लगाने के लिए पुलिस टीम द्वारा गस्त की जाती है। कंपनियों द्वारा भेंट की गई गाड़ियां पुलिसकर्मियों द्वारा की जाने वाली गस्त में लाभकारी साबित होंगी जिससे अपराधियों का जल्दी से पीछा करके उन्हें पकड़ने में सहायता मिल सकेगी।

शिक्षा हमेशा करती है व्यक्ति को जीवन में आगे बढ़ाने का कामः कैबिनेट मंत्री

Faridabad/Alive News

हरियाणा के उच्चतर शिक्षा, परिवहन विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने आज शुक्रवार को राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरान में चल रहे तीन दिवसीय जोनल यूथ फेस्टिवल के दूसरे दिन में मुख्य अतिथि शिरकत की। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा का जोनल यूथ फेस्टिवल में पहुंचने पर प्रिंसिपल अर्चना वर्मा सहित अन्य कॉलेजों से आए प्रिंसिपल ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया ।गांव खेड़ी गुजरान गांव की सरदारी ने भी पगड़ी भेंट कर उच्चतर शिक्षा मंत्री का उनके गांव में पधारने पर तहेदिल से स्वागत किया।

परिवहन एवम उच्चतर शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा ने राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरान फरीदाबाद में आयोजित जोनल यूथ फेस्टिवल में उपस्थित युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का बंटवारा नहीं हो सकता, शिक्षा हमेशा व्यक्ति को जीवन में आगे बढ़ाने का काम करती है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व आज रोजगार परक शिक्षा विधार्थियो को सक्षम बनाने का काम कर रही है। उच्चतर शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा की प्रदेश की सरकार ने शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं।

भाजपा सरकार ने प्रदेश को नए कॉलेज और

यूनिवर्सिटी की सौगात देकर हरियाणा के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का काम किया है। उच्चतर शिक्षा मंत्री शर्मा ने इस अवसर पर फरीदाबाद, पलवल और झज्जर के विभिन्न कॉलेजों से आए छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर पुरस्कृत किया। बता दें कि इस जोनल युथ फेस्टिवल में करीब 38 कॉलेज से करीब 1400 बच्चों ने भाग ले रहे हैं ।

शिष्यों को गुरुजी के संग गुरुमाता के दर्शन भी होंगे सुलभ–स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड रोड स्थित सिद्धदाता आश्रम एवं लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम के संस्थापक वैकुंठवासी स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज की भार्या वैकुंठवासी गुरु माता जी की मूर्ति का अनावरण का कार्य संपन्न हुआ। यह कार्य उनके ज्येष्ठ पुत्र एवं आश्रम के अधिपति जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज द्वारा संपन्न किया गया। इस अवसर पर स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य ने कहा कि गुरु महाराज ने लाखों लोगों को भगवदभक्ति की राह दिखाई और उन्हें संभालने का काम गुरु माताजी ने भी किया। गुरु महाराज इतनी बड़ी संपदा और इतना बड़ा परिवार एकत्रित कर सके क्योंकि उनके पीछे गुरुमाताजी का भी सक्रिय योगदान एवं त्याग सम्मिलित था। गुरु माताजी में भक्तगण गुरुजी का ही रूप देखा करते थे और गुरु माता की आज्ञा को गुरु की आज्ञा ही मानते थे। उन्होंने कहा कि गुरु महाराज की समाधि के निकट ही माता जी की पुण्य स्मृति स्थल बनाया गया है जिसमें उनकी सुंदर मूर्ति विराजित की गई है। जिनके समक्ष शिष्यगण अपनी प्रार्थना कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि भक्तों को इस अवसर की लंबे समय से प्रतीक्षा थी जो अब पूरी हो गई है। स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य ने कहा कि गुरु माता मेरी लौकिक माता होने के साथ-साथ मेरे गुरु की भार्या होने से और अधिक सम्मान की पात्र थीं। उनके नाम को और उनकी शिक्षाओं को भगवत भक्तों में पहुंचाना मेरा कर्तव्य है। गौरतलब है कि गुरु माता जी का 7 अगस्त 2019 को परलोक गमन हो गया था जिनका लौकिक नाम अशर्फी देवी था। वह आश्रम के संस्थापक स्वामी सुदर्शनाचार्य की भार्या एवं वर्तमान गुरुदेव स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज की मां थीं। स्वामी सुदर्शनाचार्य का वैकुंठ गमन वर्ष 2007 में हो गया था, जिनका समाधि स्थल आश्रम परिसर में ही बनाया गया है। अब उनके समक्ष गुरु माता जी की भी मूर्ति की स्थापना की गई है। इस अवसर पर रामानुज मत की परंपरा का निर्वहन किया गया। अब यहां गुरु माता जी की मूर्ति के समक्ष अन्य देव दरबारों के समान ही विधि विधान से पूजा आदि जारी रहेगी।

प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मिलकर यातायात व्यवस्था को सुधारे-डीसी

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि जिला फरीदाबाद में प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मिलकर यातायात व्यवस्था को सुचारु ढंग से चलाए। डीसी ने कहा कि बार- बार ट्रैफिक नियमों की उल्लंघन करने पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किया जाए। वहीं आटो चालकों और बाइकर्स की विशेष निगरानी करना सुनिश्चित करें। वाहन चालानो की कोर्ट में पैरवी मजबूती से करें। डीसी विक्रम सिंह आज शुक्रवार को जिला फरीदाबाद में सड़क सुरक्षा के नियमों की सही पालना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर उपस्थित प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों और सड़क सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े गणमान्य लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

सड़क सुरक्षा व्यवस्था के लिए टिप्स

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की उलंघना करने वाली पार्किंग की पूरी जांच करना सुनिश्चित करें। सड़को, फूटपाथ और साइकिल ट्रैक पर से अवैध कब्जो को तुरंत प्रभाव से कानूनी कार्यवाही करते हुए हटवाना सुनिश्चित करें।डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने के लिए जिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी को जो भी दायित्व मिला है। वह उसकी गंभीरता से पालना करना सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में सड़क सम्बन्धी समस्याओं को जल्द दे जल्द दुर करें।

शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी

उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा पॉलिसी के तहत स्कूल की बसों का रुटीन

निरिक्षण करें। जिला फरीदाबाद में सड़क सुरक्षा के नियमों की पालना करवाने के लिए विद्यार्थियों और ड्राइविंग करने वाले लोगों को जागरूक करें। सड़क सुरक्षा से सम्बंधित जागरूकता अभियान चलाए। उस विभाग के अधिकारी उसे पूरी निष्ठा के साथ सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार निर्धारित समय पर पूरा करें। उन्होंने कहा कि सरकारी और प्राइवेट रोड सेफ्टी टीम बनाई जाए जो कि स्कूल खुलने और स्कूल की छुट्टी के समय ट्रैफिक पुलिस साथ मिलकर यातायात व्यवस्था को सुचारु ढंग से चलाए।

शहर के अलग- अलग बनाए जोन

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि बड़खल, एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद, बल्लभगढ़ तथा ग्रेटर फरीदाबाद में स्कूल और हॉस्पिटल के बाहर ब्लिंकिंग लाइट्स लगवाएं। शहर में जिन भी सड़को पर गड्ढे हो या सड़क टूटी हो उसका मुआयना कर उसको जल्द से जल्द ठीक करें। सड़क सुरक्षा के नियमों की पालना करने के लिए पुलिस , प्रशासन और हाईवे के तकनीकी अधिकारी आपसी तालमेल करके कार्य को बेहतर तरीके से क्रियान्वित करें। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार सड़क सुरक्षा के नियमों अनुसार सड़क पर लगाई जाने वाली पटिया, ज़ेबरा क्रॉसिंग प्वाइंट और ग्रील लगाने, टूटने पर ठीक करवाने सहित बरसाती पानी या गंदा पानी इक्कठा होता है वहां उन स्थानों को चिन्हित करके वहां पर सभी समस्याओं को दूर करें। सड़क सुरक्षा समीक्षा बैठक में डीसीपी पूजा वशिष्ठ, एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल, एसडीएम बड़खल कम सीटीएम अमित मान, आरटीए सचिव जितेन्द्र गहलोत, एसीपी ट्रैफिक विनोद कुमार, यूएलबी, एफएमडीए, सीएमओ तथा एनएचएआई सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी और सड़क सुरक्षा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एसआरएस स्कूल की अनिका ने मुक्केबाजी में जीता कांस्य पदक

Faridabad/Alive News

एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा अनिका गुप्ता ने लुधियाना में आयोजित मुक्केबाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर स्कूल व जिले का नाम रोशन किया है। यह तीन दिवसीय टूर्नामेंट पंजाब के लुधियाना जिले के दोराहा शहर में सीबीएसई उत्तर क्षेत्र सी. बी. एस. ई. नॉर्थ जोन में आयोजित किया गया। इस टूर्नामेंट में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर के चयनित खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपना दमखम दिखाया। जिसमें ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-88 स्थित एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा अनिका

गुप्ता ने अपने मुक्केबाजी का कौशल दिखाया। अनिका ने अंडर 17 आयु वर्ग की 75 किलोग्राम से ज्यादा की ओपन केटेगरी में कांस्य पदक जीता। विद्यालय के मुक्केबाजी कोच जितेंद्र कौशिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए अनिका ने कड़ी मेहनत के साथ पूरी तैयारी की थी और उसी मेहता का परिणाम है कि स्कूल की झोली में पदक आया है। वहीं स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर विनय गोयल ने अनिका गुप्ता को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि अनिका ने स्कूल को गौरवांवित किया है और उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में अनिका का लक्ष्य गोल्ड मैडल होगा। इस मौके पर विद्यालय के मैनेंजिग डायरेक्टर विनय गोयल के अलावा प्रधानाचार्या कृष्णा मिश्रा, मैनेजर तेजप्रकाश पांडे और सारे स्टाफ ने अनिका की इस शानदार सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए उसे प्रोत्साहित किया और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बेटियां कर रही है हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापितः विधायक सीमा त्रिखा

Faridabad/Alive News

आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा आर जिला प्रशासन पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में आज शुक्रवार को एनआईटी स्थित के.एल. मेहता दयानंद महिला कॉलेज के सभागार में आज़ादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक सीमा त्रिखा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पहुँचने पर महर्षि दयानंद एडुकेशन सोसाइटी के प्रसिडेंट आनंद मेहता और कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ मंजू दुआ ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती के समक्ष परंपरागत दीप प्रज्वलित करके किया।

विधायक सीमा त्रिखा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के काल में केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा हर विधा व हर क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा और जिला प्रशासन फरीदाबाद द्वारा इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उन्होने कहा कि अंर्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संगीतकार पंडित सुभाष चंद्र घोष व उनकी टीम में शामिल कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवाओं को संगीत के बारे में जानने और सुनने का मौका मिलता है। सभी विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ

सांस्कृतिक और खेल कूद की गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। आज बेटियां शिक्षा, खेल व अन्य क्षेत्रों में भी नए नए आयाम स्थापित कर रही हैं। आज का युग कंप्यूटर व आईटी का युग है और इसी को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी मेहनत और लग्न से पढ़ाई करें ताकि वे देश और प्रदेश के नवनिर्माण में अपना योगदान दें। आपको बता दे कि पंडित सुभाष चंद्र घोष मूलतः पश्चिम बंगाल से हैं और पदम विभूषण से अलंकृत सुप्रसिद्ध सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खान साहब के शार्गिद हैं। वर्तमान में वे हरियाणा के निवासी है।

उन्होंने कार्यक्रम में संगीत के नए वाद्यय यंत्र नव स्वर रागनी की खोज करने वाले अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संगीतकार पंडित सुभाष चंद्र बोस ने अपने वाद्य यंत्र नव स्वर रागनी के माध्यम से बजाई स्वर लहरियों से सांस्कृतिक कार्यक्रम के हर क्षण को यादगार बना दिया। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ ÷भजन रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम÷ से किया। उसके बाद उन्होंने सूफी संगीत की प्रस्तुति देते हुए ÷तोसे नैना मिलायके÷ गीत गाया और गीत पर अपनी प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का समापन किया।

उन्होंने वाद्यय यंत्र नव स्वर रागनी व ताल के साथ साथ हिन्दी फिल्मी गानों की धुन प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इसके अलावा शास्त्रीय संगीत की शानदार प्रस्तुतियों से उन्होंने सभी को संगीत की लहरियों के साथ बाधने का काम किया। कॉलेज परिसर संगीतमय हो गया और संगीत की प्रस्तुति को सुनकर सैंकड़ों विद्यार्थियों ने खड़े होकर कलाकारों का अभिवादन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक सीमा त्रिखा ने अंतर्राष्ट्रीय संगीतकार पंडित सुभाष चंद्र घोष को शाल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि विधायक सीमा त्रिखा को भी शाल भेंट कर उनका कार्यक्रम में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

अलाईव न्यूज परिवार की ओर से आप सभी को दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज की हार्दिक शुभकामनाएं।

अलाईव न्यूज

'आप सभी प्रदेशवासियों से अपील करता है कि आप सभी प्रदूषण रहित दीपावली मनाएं।

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448